RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 कीर्ति सुरेश को बेबी...

वर्ष : 27 अंक : 13 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 03 जनवरी, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

संभल जामा मस्जिद सर्वे रिपोर्ट में खुलासा

दो वट वृक्ष, कमल समेत 50 फूल के प्रतीक मिले!

संभल (एजेंसी)। संभल जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट कोर्ट कमिश्नर ने अदालत में दाखिल की है। इस पर उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्या ने कहा है कि सर्वे में मंदिर होने के कुछ साक्ष्य मिले हैं इनकी जांच की जाएगी। सर्वे की रिपोर्ट को सील बंद लिफाफे में पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि सर्वे के दौरान शाही जामा मस्जिद में पाए गए साक्ष्यों के संबंध में 43 पन्नों की सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत की है। साथ ही पाए गए तथ्यों के समर्थन में लगभग 60 फोटो भी सर्वे रिपोर्ट के साथ न्यायालय में पेश किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक विवादित जगह पर मंदिर के प्रतीक मिले हैं। जांच के दौरान दो वट वृक्ष, कमल समेत (शेष पृष्ठ-3 पर)

हाईकोर्ट से सांसद बर्क को झटका

इलाहाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की संभल लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सांसद बर्क के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर रद्द नहीं होगी और पुलिस जांच जारी रहेगी। हालांकि, हाईकोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया है कि सांसद बर्क की गिरफ्तारी नहीं की जाए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने आदेश पर अमल करने को कहा है। हाई कोर्ट ने कहा है कि जिन धाराओं में सांसद बर्क के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें 7 साल से कम की सजा होती है।

इस मामले में पुलिस, सांसद बर्क को नोटिस जारी करेगी। पुलिस नोटिस जारी करके जियाउर रहमान बर्क को पूछताछ के लिए बुला सकती है। सांसद जियाउर रहमान बर्क को पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा।

सपा सांसद बर्क ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में एफआईआर को चुनौती दी थी और इसे रद्द करने की गुहार लगाई थी। जस्टिस राजीव गुप्ता और जस्टिस अजहर हुसैन इदरीसी की डिवीजन बेंच ने इस मामले की सुनवाई की।

चौकी को वक्फ की जमीन बनाने वालों पर एफआईआर

संभल (एजेंसी)। संभल में शाही जामा मस्जिद के पास निर्माणाधीन सत्यव्रत पुलिस चौकी को वक्फ बोर्ड की जमीन पर बनाने का दावा करने वालों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मणिभूषण तिवारी की तरफ से संभल कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

संभल प्रशासन की ओर से ओवैसी द्वारा पोस्ट किए गए दस्तावेज फर्जी साबित किए जाने के बाद संभल कोतवाली में बीएनएस की धारा 419, 420, 467, 467, 471 के तहत अज्ञात के खिलाफ ये मुकदमा दर्ज हुआ है. इस एफआईआर में सपा के डेलीगेशन के संभल आने पर संभल विधायक के द्वारा एक अधिवक्ता के जरिए निर्माणाधीन पुलिस चौकी के दस्तावेज डेलीगेशन के सामने रखने और दस्तावेजों के साथ वक्फ से संबंधित दस्तावेज संलग्न होने का जिक्र किया गया है।

संभल पुलिस ने संभल हिंसा में आरोपी शाजेब उर्फ शहबाज उर्फ टिल्लन निवासी मोहल्ला दीपसराय चौक थाना नखाया को गिरफ्तार किया है।

वाल्मीकि मोहल्ले में लगे ट्रांसफार्मर से तेल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा क्षेत्र के बिसाहडा गांव के वाल्मीकि मोहल्ले में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से चोरों ने तेल और कोर वाइंडिंग चोरी कर ली। इस संबंध में विद्युत विभाग के अवर अभियंता ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। विद्युत उपकेंद्र एनटीपीसी में तैनात अवर अभियंता डेविड कुमार ने ट्रांसफार्मर से तेल और कोर वाइंडिंग चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि बिसाहडा के वाल्मीकि मोहल्ले में ढाई सौ केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एक्सयूवी में सवार ईनामी चोर दंपत्ति मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली-नोएडा में चोरी की घटनाओं का शतक लगाने वाला शातिर चोर मुठभेड़ के बाद गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के हत्थे चढ़ गया। थाना फेस तीन पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपये के इनामी अंतर्राज्यीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। जबकि पुलिस ने कांबिंग के दौरान (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो किशोरियां लापता

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान से दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना सेक्टर-142 के गढ़ी गांव में किराए पर रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने अपनी बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि सुल्तानगंज जनपद मैनपुरी का रहने वाला अखिलेश उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसला कर भगा ले गया है। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। वहीं थाना फेस वन क्षेत्र के सेक्टर-16 की जेजे कॉलोनी में रहने वाली मीनाक्षी (शेष पृष्ठ-3 पर)

बहु व परिजनों पर झूठे केस में फंसाने व मारपीट करने का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 में एक व्यक्ति ने अपनी पुत्रवधू और उसके परिजनों के खिलाफ मारपीट करने, झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने तथा घर से जेवरात ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। न्यायालय के निर्देश पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेक्टर-20 निवासी प्रमोद राउत ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने अपने छोटे बेटे समीर राउत का विवाह उड़ीसा निवासी अर्पिता नायक के साथ किया था। शादी के कुछ दिनों तक उनकी पुत्रवधू अर्पिता नायक का व्यवहार ठीक रहा लेकिन इसके बाद वह उनके पुत्र के साथ बेवजह झगड़ा करने लगी। उन्होंने तथा उनकी पत्नी ने जब अपनी पुत्रवधू को ऐसा करने से मना किया तो वह उनके साथ भी मारपीट करने लगी। प्रमोद राउत का आरोप है कि उनकी पुत्रवधू ने उनकी पत्नी के साथ भी कई बार मारपीट की और जान से मारने की नियत से गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया।

प्रमोद राउत के मुताबिक उन्होंने अपनी पुत्रवधू के पिता सेनापति नायक, चाचा बनमाली नायक और राजू नायक से इसकी शिकायत की। पुत्रवधू के पिता और चाचा ने समझाने के बजाय उल्टा उसे भड़काना (शेष पृष्ठ-3 पर)

गौतमबुद्ध बालक इंटर कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के नॉलेज पार्क-5 स्थित गौतम बुद्ध बालक इंटर कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बाल वाटिका और कक्षा एक से 9वीं तक दाखिले के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन पत्र 30 दिसंबर 2024 से स्कूल गेट और रिसेप्शन से मिलने लगा है। फॉर्म मिलने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 है। छात्रों के चयन के लिए प्रवेश परीक्षा फरवरी 2025 के द्वितीय सप्ताह में आयोजित की जाएगी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मॉल घूमने आई महिला से लूटी सोने की चेन

दो युवकों से मोबाइल फोन छीना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से बाइक सवार बदमाश एक महिला से सोने की चेन तथा दो युवकों से मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के ईरोज संपूर्ण सोसाइटी में रहने वाले ऋतुराज ने थाना बिसरख में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 17 अक्टूबर की रात्रि को उनकी मां हेना देवी गैलेक्सी डायमंड प्लाजा मॉल घूमने आई थी। मॉल में घूमने के बाद वह जब घर वापस आ रही थी तो कार में बैठते समय बाइक सवार बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर थाना बिसरख पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

वहीं थाना सेक्टर-63 में एक युवक ने मोबाइल झपटमारी का मुकदमा दर्ज कराया है। मूल रूप से अंबेडकर नगर फर्रुखाबाद निवासी अमित श्रीवास्तव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 23 दिसंबर को (शेष पृष्ठ-3 पर)

भूखंड ट्रांसफर के लिए फर्जी एनओसी लगाकर फंसा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के इंजीनियर्स पार्क सहकारी आवास समिति के भूखंड को ट्रांसफर कराने के लिए फर्जी एनओसी लगाना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। ग्रुप हाउसिंग के प्रभारी ने आरोपी के खिलाफ थाना सूरजपुर में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज बनाने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया है। ग्रुप हाउसिंग के प्रभारी के सी चौधरी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि प्राधिकरण की ग्रुप हाउसिंग योजना के तहत इंजीनियर्स पार्क सहकारी आवास समिति में समिति द्वारा वर्ष 2011 में श्रीमती उमा प्रसाद के पक्ष में भूखंड का आवंटन किया गया था। इस भूखंड को श्रीमती उमा प्रसाद से यशपाल पुत्र जयवीर निवासी ग्राम पाली के पक्ष में हस्तांतरित करने के लिए 21 मार्च 2024 को ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुआ था। इस आवेदन (शेष पृष्ठ-3 पर)

158 आवंटियों पर लटकी भूखंड निरस्तीकरण की तलवार

नोएडा (चेतना मंच)। फंक्शनल नहीं दाखिल करने पर 158 आवंटियों के भूखंड पर निरस्तीकरण की तलवार लटकी है। नोएडा में औद्योगिक विभाग में फंक्शनल सर्टिफिकेट नहीं जमा करने वाले औद्योगिक आंवटियों को एक मौका दिया जा सकता है। इसके लिए बोर्ड ने निर्णय लेते हुए वर्तमान स्थित से शासन को अवगत कराने का निर्णय लिया है। वर्तमान में नोएडा के औद्योगिक विभाग में कुल 229 प्रकरण है। जिसमें 206 भूखंड इस श्रेणी में शामिल है। जिसमें 114 भूखंड आवंटियों ने कार्यशील प्रमाण पत्र जमा किया।

80 ने फंक्शनल प्रमाण पत्र जमा नहीं किया। बकाया के कारण 4 भूखंड को निरस्त कर दिया गया। 8 भूखंडों पर कोर्ट केस चल रहा है। इसके अलावा 229 प्रकरण में 23 भूखंड को निरस्त कर दिया गया है। ये रिपोर्ट प्राधिकरण ने शासन को संदर्भित की है। वहीं आईटी और आईटीईएस में 107 भूखंड आवंटित हुए।

जिसमें 78 में अनुमन्य एफएआर और अधिक का निर्माण हो चुका है। इन सभी भूखंडों की फोटाग्राफी और भैतिक सत्यापान कराया गया। जबकि 29 प्रकरण में कोई भी निर्माण नहीं है। जिनको निरस्त कर दिया गया था। ऐसे में अब 78 को फंक्शनल जमा करने का मौका दिया जा सकता है। दोनों प्रकार के आवंटियों को फंक्शनल प्रमाण पत्र जमा करने के लिए 31 दिसंबर 2024 तक का समय दिया गया।

तीनों प्राधिकरण में समान औद्योगिक भूखंड आवंटन नीति लागू

मल्टीपल जीपीए को लेकर तैयार होगी योजना

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की 216वीं बोर्ड का आयोजन किया गया। बैठक में तीनों प्राधिकरण में एक समान औद्योगिक भूखंड आवंटन पॉलिसी को लागू कर दिया गया है। इसके अलावा यूनिफाइड पॉलिसी यानी आवंटन निरस्तीकरण, लीज डीड, कब्जा आदि संबंधित नीतियों में संसोधन के बाद लागू करने पर सहमति बनी है। फिलहाल भूखंड आवंटन का जो क्राइटेरिया लागू किया गया है। उसके तहत 8000 वर्गमीटर तक के भूखंड अब नीलामी के जरिए आवंटित किए जाएंगे।

इस आवंटन में ये सुनिश्चित किया जाएगा कि उद्योग लगाने वाले इंटरप्रिन्योर्स को भी (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

नोएडा (चेतना मंच)। अमिताभ कांत की सिफारिश लागू होने के बाद भी नोएडा में रजिस्ट्री नहीं हो रही है। प्राधिकरण ने इसका सर्वे कराया। सर्वे में सामने आया कि नोएडा के अलग-अलग सेक्टरों में बने फ्लैट्स और भूखंड में अधिक संख्या में ऐसे परिवार निवास कर रहे है। जिनके पास मल्टीपल जीपीए के दस्तावेज है। लेकिन मल्टीपल जीपीए में नोएडा प्राधिकरण में कोई भी रजिस्ट्री की जा सकती है और न निरस्त कर फ्लैट पर कब्जा लिया जा सकता है।

बोर्ड के सदस्यों ने निर्णय लिया कि इस मामले में ठोस कदम उठाया जाए। ऐसे प्रकरण के निवारण के लिए एक व्यवस्था बनाई जाए। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि 10 दिसंबर 2024 को एयरफोर्स नेवल हाउसिंग बोर्ड ने एक पत्र में अवगत कराया कि जलवायु विहार सेक्टर-21 और सेक्टर-25 नोएडा में करीब 730 परिवार प्रथम जीपीए और इसमें करीब 200 परिवार एक से अधिक जीपीए के आधार पर निवास कर रहे है। ये विवरण महज दो सेक्टर का है। सर्वे में ये सामने आया कि नोएडा में ऐसे कई सेक्टर है जहां आवासीय संपत्तियों पर एक से अधिक जीपीए के आधार पर निवास कर है। इनकी संख्या कही ज्यादा करीब 1000 के आसपास हो सकती है।

वरिष्ठ पत्रकार विवेक दीक्षित नहीं रहे

नोएडा (चेतना मंच)। वरिष्ठ पत्रकार तथा नोएडा मीडिया क्लब के सदस्य विवेक दीक्षित का लम्बी बीमारी के बाद आज रात करीब 2.00 बजे निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार सेक्टर-94 में दोपहर किया गया। विवेक दीक्षित काफी दिनों से लीवर की बीमारी से ग्रस्ति थे। वे फिलहाल नेटवर्क-10 में बतौर संवाददाता कार्यरत थे, लेकिन काफी समय से बीमारी के कारण उन्होंने काम छोड़ दिया था। वे अपने पीछे दो बेटे व पत्नी को छोड़ गए हैं। मूलत: कानपुर के बर्रा कालोनी निवासी विवेक नोएडा के सेक्टर-82 में परिवार के साथ रहते थे। उनके निधन से पत्रकारों में काफी शोक है।

500 सिटी ई-बसें होंगी चालू, 25 रूट फाइनल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा ग्रेटरनोएडा और यीडा 500 सिटी ई-बस संचालित होंगी। ये बस 25 रुटों पर 10 मिनट के अंतराल चलेंगी। बसों का संचालन जीसीसी मोड पर किया जाएगा। जिसमें 300 बस नोएडा, 100 बस ग्रेटर नोएडा और 100 बस यीडा में संचालित होंगी। बोर्ड में बताया गया कि जीसीसी मॉडन पर संचालन के दौरान संभावित आपरेटिंग कास्ट 72 रुपए प्रति किलोमीटर होगी।

प्रत्येक बस को रोजाना 200 किमी का भुगतान किया जाना होगा। इस प्रकार सालाना 72 हजार किमी प्रत्येक बस का भुगतान किया जाना होगा। इसमें 13 रुटों पर नोएडा 9 रुटो ग्रेटरनोएडा और 2 रुट पर यमुना क्षेत्र में बस चलेंगी। इस बसों का संचालन सुबह 6.30 से रात 11 बजे तक किया जाएगा।

बोर्ड में बताया कि इन 500 बसों की

खरीदारी एक ही फेज में की जाएगी। इसके लिए आरएफपी जारी होगी। नोएडा , ग्रेटरनोएडा और यीडा के बीच एसपीवी का गठन 48 %, 26% और 26% के इक्विटी योगदान के साथ किया जाएगा। इन बसों का संचालन शुरुआत में सेक्टर-82 और सेक्टर-91 में मौजूद बस टर्मिनल से किया जाएगा। इन बसों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर का काम नोएडा प्राधिकरण करेगा। एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर के एक साल के अंदर ग्रेटरनोएडा और यीडा भी एक-एक डिपो अपने यहां बनाएगा। यहां संचालित होने वाली सभी बस 12 मीटर और 9 मीटर लंबी होंगी।

इन रुटों पर चलेंगी बस

- सेक्टर-12-22 से कासाना वाया निठारी, कुलेसरा, हबीबपुर, सुरजपुर कलेक्ट्रेट
- बोटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन से दादरी बस स्टॉप वाया सुरजपुर
- शारदा यूनिर्वसिटी से शारदा यूनिर्वसिटी वाया कासना विलेज
- शशी चौक से ऐस सिटी
- परिचौक से जेवर एयरपोर्ट वाया रबुपुरा
- बोटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन से डिपोट मेट्रो स्टेशन वाया ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण
- तिगरी गोल चक्कर से रजनीगंधा चौक
- नोएडा स्टेडियम से वीर सावरकर चौक
- एक मूर्ति चौक से जीबी यूनिर्वसिटी गेट नंबर-1
- बोटेनिकल गार्डन से संपूर्णनम ग्रेनो वेस्ट
- दादरी से जीबी यूनिर्वसिटी वाया कासना
- सेक्टर-90 से सेक्टर-52 मेट्रो तक
- बिराला इंस्टीट्यूट से सेक्टर-62 तक
- बोटेनिकल गार्डन से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन
- बोटेनिकल गार्डन से आईएसबीटी कश्मीरी गेट
- परिचौक से आंदन विहार रेलवे स्टेशन
- दादरी से गाजियाबाद रेलवे स्टेशन

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरु
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

चुनौतियों का दौर

यूं तो नया या पुराना साल एक समय चक्र मात्र है और देश के सामने समस्याएं व चुनौतियां हर दौर में रही हैं। लेकिन हम समय की एक इकाई में अपनी समस्याओं को दूर करने के लक्ष्य निर्धारित कर निराकरण का प्रयास करते हैं। कमोबेश वर्ष 2025 को लेकर भी यही स्थिति रहने वाली हैं। हालांकि महंगाई, बेरोजगारी तथा गरीबी सर्वकालिक व सर्वदेशीय समस्याएं रही हैं, फर्क है तो यही कि सत्ताधीश इन चुनौतियों का मुकाबला कैसे करते हैं। जैसे-जैसे बीता साल पूर्णता की ओर बढ़ रहा था, देश को लेकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में कुछ सकारात्मक तो कुछ चिंता बढ़ाने वाली खबरें वातावरण में तैर रही थीं। हालांकि, बांग्लादेश का राजनीतिक घटनाक्रम व अल्पसंख्यकों पर ज्यादती की खबरें विचलित करने वाली थी। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बांग्लादेश में जिस सत्ताधीश के विरोध में सत्ता पलट हुआ,उस सत्ता की सूत्रधार को भारत ने शरण दी। दरअसल, भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में तार्किक के बजाय भावनात्मक मुद्दे राजनीतिक विमर्श पर हावी रहे हैं। हालांकि, अच्छी बात यह है कि दशकों से जारी एलएसी विवाद सिमटता नजर आया। जिससे चीन से बिगड़े रिश्ते पटरी पर आने की उम्मीद जगी। जिसके मूल में अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम भी है, लेकिन सुखद है कि एशिया की बड़ी महाशक्ति से संबंधों में सुधार आया। बाकी इस माह डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद भारत की विदेश नीति दशा-दिशा तय करती नजर आएगी। जहां तक देश के घरेलू मोर्चे का सवाल है तो आर्थिक सुस्ती सत्ताधीशों की चिंताओं का विषय होनी चाहिए। वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर 5.4 फीसदी रहना चिंता का सबब बनी, क्योंकि यह विकास दर पिछली सात तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर है। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बीता वर्ष आम चुनावों व कई बड़े राज्यों में चुनाव का साल था, जिसमें भारी मात्रा में अनुत्पादक सरकारी खर्च हुआ है। जो कहीं न कहीं देश की विकास दर को प्रभावित करता है। बहरहाल, इसके बावजूद केंद्र सरकार विकास दर व मंदी की आहट को लेकर चिंतित नजर नहीं आती तो उसकी वजह है कि भारत की यह विकास दर भी दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। आर्थिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि वर्ष 2024-25 की तीसरी व चौथी तिमाही में विकास दर के तेज रहने के आसार हैं। जैसा कि केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आगामी वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर 6.6 फीसदी रहेगी। जिसके आधार पर विभिन्न रेटिंग एजेंसियां व आईएमएफ अनुमान लगा रहा है कि इस साल भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यह विचारणीय प्रश्न यह है कि कुलांचें भरते शेयर बाजार और बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करते देश में एक आम आदमी के जीवन में धनात्मक वृद्धि नजर क्यों नहीं आ रही है? सवाल यह भी है कि यदि देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के दावे किए जा रहे हैं तो क्या देश में गरीबी, कुपोषण, असमानता की समस्या खत्म हो रही है? क्या स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित सुधार हो रहा है? सवाल यह भी कि क्या पर्याप्त रोजगार के अभाव में होने वाला विकास तार्किकता की कसौटी पर खरा उतर रहा है? क्यों शहरी व ग्रामीण बेरोजगारी दर में इजाफा हो रहा है? आखिर क्यों राजनीतिक लाभ-हानि के गणित से परे संवेदनशील ढंग से बेरोजगारी की समस्या के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते? जब हम यह कहते नहीं थकते कि देश दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश है तो क्या हम इन युवा हाथों को उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध करा पा रहे हैं? आखिर क्यों देश में युवाओं का तेजी से पलायन हो रहा है? क्यों वे छोटी-मोटी नौकरियों के लिये विदेश जाने की होड़ में लगे हैं? क्यों अपनी योग्यता से कम की नौकरी करने को मजबूर हैं? देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली कृत्रिम महंगाई, सामाजिक असुरक्षा तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि तब मैना और हिमवान आनंद में मग्न हो गए और उन्होंने बार-बार पार्वती के चरणों की वंदना की। स्त्री, पुरुष, बालक, युवा और वृद्ध नगर के सभी लोग बहुत प्रसन्न हुए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

लगे होन पुर मंगल गाना। सजे सबहिं हाटक घट नाना॥

भाँति अनेक भई जेवनारा। सूपसास्त्र जस कछु ब्यवहारा॥

नगर में मंगल गीत गाए जाने लगे और सबने भाँति-भाँति के सुवर्ण के कलश सजाए। पाक शास्त्र में जैसी रीति है, उसके अनुसार अनेक भाँति की ज्योनार हुई (रसोई बनी)॥

सो जेवनार कि जाइ बखानी। बसहिं भवन जेहिं मातु भवानी॥

सादर बोले सकल बराती। बिष्नु बिरंचि देव सब जाती॥

जिस घर में स्वयं माता भवानी रहती हों, वहाँ की ज्योनार (भोजन सामग्री) का वर्णन कैसे किया जा सकता है? हिमाचल ने आदरपूर्वक सब बारातियों, विष्णु, ब्रह्मा और सब जाति के देवताओं को बुलवाया॥

बिबिधि पाँति बैठी जेवनारा। लागे परुसन निपुन सुआरा॥

नारिबृंद सुर जेवँत जानी। लगीं देन गारीं मृदु बानी॥

भोजन (करने वालों) की बहुत सी पंगतें बैठीं। चतुर रसोइए परोसने लगे। स्त्रियों की मंडलियाँ देवताओं को भोजन करते जानकर कोमल वाणी से गालियाँ देने लगीं॥

(क्रमशः..)

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनेयर की संख्या

विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं।

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति।

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की

तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फ़िलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।

भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है।

यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

- प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक,
भारतीय स्टेट बैंक

चेक बाउंस के ही 45 लाख से अधिक मामलें न्यायालयों में विचाराधीन

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि देश के न्यायालयों में 45 लाख से अधिक मामलें केवल और केवल चेक बाउंस होने से संबंधित है। अदालतों में लंबित मुकदमों में करीब 9 प्रतिशत मामलें तो चेक बाउंस के ही है। इसमें भी सर्वाधिक 6 लाख से अधिक मामलें राजस्थान में विचाराधीन है वहीं राजस्थान के साथ ही महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य है जहां चेक बाउंस के सर्वाधिक मामलें विचाराधीन है। न्यायालयों में मुकदमों के बोझ को लेकर न्यायपालिका से लेकर सरकार और इससे जुड़े लोग सभी चिंतित है। देश के न्यायालयों में कुल 5 करोड़ से अधिक मामलें लंबित चल रहे हैं। लगातार सुधारों और सकारात्मक प्रयासों के बावजूद न्याय की प्रतीक्षा में इतनी अधिक संख्या में प्रकरणों का बकाया होना इस मायने में भी चिंता का कारण है कि न्यायालयों पर मुकदमें को बोझ कम होने के स्थान पर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यह सब तो तब है जब लोक अदालतों का समय समय पर लगातार आयोजन किया जा रहा है। दरअसल कुछ इस तरह के मुकदमें है जो सबसे अधिक न्याय के मंदिर का बोझ बढ़ा रहे हैं। ऐसे मुकदमों के निस्तारण की दृष्टि से यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले मुकदमों के निस्तारण का जो रास्ता अख्तियार किया गया है वह निश्चित रुप से सराहनीय और न्यायालयों के बोझ को कम करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास माना जा सकता है। यदि चेक बांउस वाले मामलों को भी इसी तरह से निपटान का कोई रास्ता निकल सके तो न्यायालयों में मुकदमों के अंबार को निष्चित रुप से कम किया जा सकता है।

न्यायपालिका और सरकार न्यायालयों में मुकदमों के अंबार से चिंतित होने के साथ ही समाधान की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। चेक बांउस जैसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए सुझाव देने के लिए 10 मार्च, 21 को दस सदस्यीय कमेटी भी बनाई गई समिति ने नेगोशियेबल इंस्ट्रूमेंटल कोर्ट बनाने की सलाह के साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रुप में स्थापना के सुझाव भी दिए और पायलट प्रोजेक्ट के रुप में करीब25 कोर्ट बने भी। पर परिणाम सामने नहीं आ सके हैं।

अदालतों में लंबित मुकदमों के अंबार को इसी से समझा जा सकता है कि देश में 5 करोड़ से अधिक मुकदमों में वादी प्रतिवादी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से एक लाख 80 हजार मामलें तो 30 साल से भी अधिक समय से लंबित चल रहे हैं। देश के सबसे बड़े न्याय के मंदिर में 80 हजार से अधिक मामलें लंबित है। एक मोटे अनुमान के अनुसार लंबित न्यायालयों में से करीब 85 प्रतिशत से अधिक मामलें तो जिला अदालतों में विचाराधीन है। करीब 25 प्रतिशत मामलें राजस्व से जुड़े हैं। यातायात नियमों की अवहेलना के मामलें भी बहुत अधिक संख्या में है पर इसके निराकरण का रास्ता निकलने लगा है। देश में समय समय पर

अदालतों में लंबित मुकदमों के अंबार को इसी से समझा जा सकता है कि देश में 5 करोड़ से अधिक मुकदमों में वादी प्रतिवादी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से एक लाख 80 हजार मामलें तो 30 साल से भी अधिक समय से लंबित चल रहे हैं।

नियतकाल में लग रही लोक अदालतों में भी बड़ी संख्या में मुकदमों का निस्तारण होने लगा है। पर सवाल वहीं का वहीं हैं कि देष के न्यायालयों में फास्ट ट्रेक सहित विशेष अदालतें बनने के बाद भी कम होने की जगह दिन प्रतिदिन अधिक ही होते जा रहे है। विचाराधीन कैदियों के संदर्भ में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की टिप्पणी और उपकी चिंता से सभी वाकिफ हो चुके हैं। होता तो यहां तक है कि हजारों की संख्या में ऐसे प्रकरण देखने को मिल जाएंगे जिसमें जितनी सजा होनी चाहिए उससे अधिक समय तो ज्यूडिशियल कस्टेडी में ही निकल जाता है। इसी तरह से मामूली मारपीट और इसी तरह के दूसर छोटे मोटे मुकदमें न्यायालयों में लगातार बोझ का कारण बनते जा रहे हैं। आपसी जमीन जायदाद और गज दो गज जमीन के, रास्ते के और इनके कारण राजस्व मुकदमों के साथ ही क्रिमिनल मुकदमों और इसी तरह के मुकदमों के न्यायिक प्रक्रिया को पूरा करते हुए त्वरित निस्तारण का कोई समाधान खोजा जाना आवश्यक है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे न्यायालयों द्वारा मुकदमों का बोझ कम करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। व्यवस्था में काफी सुधार किये गए हैं। पुराने लंबित मुकदमों की पहले सुनवाई पर जोर दिया जा रहा है। इसी तरह से तारीख पर तारीख लेने की परंपरा को भी तोड़ा जा रहा है। व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और तकनीक सेवी बनाया जा रहा है। त्वरित निस्तारण पर जोर दिया जा रहा है। पर तथ्य तो यही दर्शा रहे हैं कि लाख प्रयासों के बावजूद मुकदमों का अंबार कम नहीं हो रहा। भारतीय न्याय प्रणाली को लेकर सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि देशवासियों को न्याय सिस्टम के प्रति विष्वास है और यही कारण है कि लोग जब कोई विकल्प नहीं दिखता तो न्याय के दरवाजे पर गुहार लगाते है।

तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि न्यायालयों में सरकार से जुड़े मुकदमों की संख्या भी बहुत बहुत बड़ी संख्या में हैं। आर्बिटेशन के प्रावधान होने के बावजूद अधिक मामलें निपट नहीं पाते हैं। अब चेक बांउस के मामलों को ही लिया जाए तो इसमें दो बाते साफ है। मोटे रुप से चेक बांउस होने की स्थिति में 2 वर्ष की सजा या चेक राशि की दो गुणा राशि चुकाने के प्रावधान है। केस की प्रकृति के अनुसार सजा कम ज्यादा हो सकती है। ऐसे में 43 लाख मुकदमों का केवल चेक बाउंस से संबंधित होना इसलिए चिंता का विषय हो जाता है कि पांच करोड़ में से यह संख्या कम होती है और खासतौर से ऐसे हालातों में निचली अदालत में मुकदमों का बोझ काफी कुछ कम हो सकता है। इसके लिए सबसे अच्छा रास्ता तो चेक बांउस प्रकरणों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाते हुए लोक अदालत लगाई जाकर उसमें दोनों पक्षों को बुलाकर समझाईश से निपटाया जा सकता है या कुछ इसी तरह का कोई हल खोजा जा सकता है। ऐसे मामलों में एक या दो से अधिक तारीख तो दी ही नहीं जानी चाहिए। ऐसे मामलें अदालत में आने की साथ ही दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का तारीख दर तारीख नहीं बल्कि पहली या दूसरी तारीख में ही देकर के निस्तारित किया जाना अधिक उचित होगा ताकि इस तरह के प्रकरणों का निष्पादन हो सके। यह तो सामान्य व्यक्ति के रुप में सुझाव हो सकता है। न्यायपालिका से जुड़े विशेषज्ञ विद्वतगण इस तरह की समस्याओं के समाधान के लिए न्यायिक प्रक्रिया को पूरी करते हुए कोई सकारात्मक सुझाव दे और सरकार व न्यायपालिका द्वारा परीक्षण कर कोई ऐसी व्यवस्था करें तो मुकदमों के अंबार को कम किया जा सकता है। चेक बांउस तो एक पक्ष है इसी तरह के ऐसे मुकदमें जिनमें अधिक कानूनी पेचिदगियां नहीं होती हो उनके त्वरित निस्तारण का रास्ता निकाल कर न्यायालयों के बोझ को हल्का किया जा सकता हैं। सरकार, न्यायपालिका और इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को इस दिशा में भी निरंतर मनन और समाधान खोजना ही होगा ताकि न्याय जल्दी मिल सके, मुकदमों का भार कम हो सके।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार। पहले से समय में थोड़ा सा अनुरूपता आई है। प्रेम और संतान की स्थिति अभी भी मध्यम चल रही है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)

चोट-चपेट लग सकती है। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क मत लीजिएगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम,संतान की स्थिति ठीक-ठाक।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)

जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार भी अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)

थोड़ा डिस्टर्बेंस वाला समय रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)

भावुक होकर कोई निर्णय मत लीजिएगा। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। गृह कलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)

पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)

धन आगमन होगा। कुटुंब में वृद्धि होगी। निवेश वर्जित रहेगा और ज्यादा बोलने में भी थोड़ा विराम लगाएं।

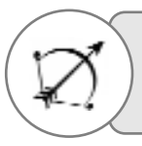

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)

एक बहुत ही पॉजिटिव एनर्जी का समावेश रहेगा आपमें। स्वास्थ्य पहले से बहेतर।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)

यात्रा कैंसिल हो सकती है। यात्रा में थोड़ी परेशानी हो सकती है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)

चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन थोड़ा व्याकुल रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। प्रेम, संतान अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)

आय में आशातीत बढ़ोतरी। शुभ समाचार की प्राप्ति। यात्रा का योग बनेगा। प्रेम, संतान मध्यम रहेगा।

आईपीएस रामबदन सिंह को डीआईजी बनने पर गुलदस्ता देकर बधाई देते भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बजारा महासभा (उ.प्र.) के उपाध्यक्ष ताराचंद नायक।

नारी सम्मान के लिए हमेशा संघर्ष किया सावित्रि बाई फुले ने : डॉ. सैनी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नारी मुक्ति आंदोलन की प्रेरणा स्रोत सावित्रि बाई फुले की जयंती पर आज उन्हें याद करते हुए राष्ट्रीय सैनिक सभा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर पवन कुमार सैनी ने कहा कि सावित्रि बाई फुले ने समाज में जो योगदान दिया है, उसे याद किया जाएगा। सैनी सभा के जिला अध्यक्ष पवन कुमार सैनी ने आज उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि जिस तरह से उन्होंने नारी सम्मान को लेकर लड़ाई लड़ी और आगे बढ़ाया, उसे हम भूल नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि सावित्रि बाई फुले ने हमेशा समाज को आगे बढ़ाने का काम किया। आज हम सभी को संकल्प लेना होगा कि सावित्रि बाई फुले के आदर्शों पर चलें तभी हमारे समाज एवं देश का विकास संभव हो पाएगा।

इस अवसर पर सैनी सभा के काफी संख्या में कार्यकर्ता

एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष पवन कुमार सैनी ने बताया कि आज शाम को सावित्रि बाई फुले की जयंती के अवसर पर गाजियाबाद में सैनी सभा द्वारा एक बड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें कई जिलों के सैनी सभा के कार्यकर्ता एवं अन्य सामाजिक लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सावित्रि बाई फुले ने हमेशा समाज को सुधारने एवं हम सभी को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दिया है।

डॉ सैनी ने कहा कि शिक्षा जीवन का मूल अधिकार है। शिक्षा का अधिकार सभी लोगों को बराबर मिलना चाहिए? एक छोटी सी बच्ची ने शुरुआत की जिसकी खेलने कूदने की उम्र थी,जिसका नाम सावित्रीबाई फुले था, मात्र नव वर्ष की उम्र में जो बच्चे खेलते हैं। खुद को पढ़ने का लक्ष्य निरधारित किया,यह कोई नहीं जानता था कि पिछड़ी शोषित वंचित की मसीहा बनी।

उन्होंने कहा कि यह अधिकार, डॉक्टर बी आर अंबेडकर ने माता सावित्रीबाई ज्योतिबा गोविंद राव फुले की प्रेरणा से ही प्रेरित होकर के समाज को एक ऐसा संविधान दिया। जिससे समाज में हो रहे अत्याचार और लोगों का हो रहा शोषण खत्म हो सके लेकिन आज भी लोग शोषण कर रहे हैं।

संविधान के होते हुए भी, संविधान को लागू नहीं किया जाता, कोई भी अधिकारी संविधान को ठुकरा देता है।

और उसकी अवहेलना करता है। पढ़ा लिखा हमारा समाज भी संविधान की अहमियत नहीं करता यही वजह है। कि आज खुले आम कचेहरी में शासन प्रशासन अधिकारी सभी जगह रिश्वतखोरी चल रही है। यह बात सभी लोगो जानते हैं। लेकिन इसकी आवाज उठाने की कोई जरूरत नहीं है। अगर जरूरत है। तो हर घर में एक एडवोकेट होना बहुत ही आवश्यक है। अपने वोट का सही चुनाव करें हर 5 वर्ष में वोट का परिवर्तन आवश्यक है।

हर चौराहों पर अलाव की व्यवस्था करे सरकार : अमरेश श्रीवास्तव

नोएडा (चेतना मंच)। लोक जनशक्ति पार्टी व्यापार सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रहे अमरेश श्रीवास्तव ने कहा है कि देश विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश विकास की बुलंदियों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि इस समय पूरे देश में ठंड बढ़ गई है, इसलिए सभी को चाहिए कि वह गरीबों की मदद करें। उन्होंने कहा कि कहीं भी कोई गरीब व्यक्ति खुले आसमान के नीचे सोने न पाए, इसके लिए जिला प्रशासन को भी अलर्ट रहना होगा। उन्होंने जिला प्रशासन के आला अफसरों के साथ-साथ नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से मांग करते हुए कहा कि हर मुख्य चौराहों पर अलाव की व्यवस्था कराई जाए, जिससे इस ठंड से लोगों को राहत मिल सके। श्रीवास्तव ने कहा कि एक महीने तक यह ठंड रहेगी और इस बीच लोगों को सतर्क रखने की आवश्यकता है।

पूर्व विधायक घनश्याम दुबे के निधन पर डॉ. कृष्ण अवतार त्रिपाठी ने व्यक्त किया शोक

भदोही। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कवि डॉ. कृष्ण अवतार त्रिपाठी 'राही' ने महाराष्ट्र के पूर्व विधायक एवं भदोही के कुसौड़ा निवासी, वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम दुबे के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा व्यक्तित्व मिलना बहुत मुश्किल है।

डॉ. राही ने कहा कि पूर्व विधायक घनश्याम दुबे अत्यंत मिलनसार एवं गरीबों की मदद करने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने उनके निधन पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए कहा कि आज समाज में ऐसे बहुत कम लोग हैं, जो इतने बड़े व्यतिक होने के बावजूद गरीबों की सहायता करने और उन्हें सहारा देने का कार्य करते थे।

डॉ. राही ने कहा कि आज घनश्याम दुबे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें हमेशा हमारे मन में जीवित रहेंगी और उनकी कमी कभी पूरी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि घनश्याम दुबे के निधन से भदोही ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों के लोगों के मन में भी अपार दुख है।

विभिन्न आपदाओं में बचाव व राहत की जानकारी दी

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में एवं अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व अतुल कुमार के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण व राष्ट्रीय आपदा मोचन बल आठवीं बटालियन के संयुक्त तत्वाधान में अधिसूचित विभिन्न आपदाओं से बचाव के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद दादरी में आपदा प्रबन्धन फेमेक्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न आपदाओं पर प्रकाश डालते हुए जनपद की आपदा प्रबंधन नीति, निर्धारण व बेहतर क्रियान्वयन तथा बेहतर प्रयास को जनपद में सार्थक रूप प्रदान करने पर बल दिया।

जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी द्वारा बताया गया कि माननीय अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दादरी गीता भाटी की गरिमामई उपस्थिति में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल आठवीं बटालियन द्वारा आपदा की स्थिति में बचाव, सुरक्षा आदि उपायों की जानकारी देते हुए उपस्थित प्रतिभागियों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि प्रमुख आपदा बाढ़, भूकंप, अग्निकांड, शीतलहर, बज्रपात, सर्पदंश एवं अन्य आपदाओं में क्या

करें क्या ना करें के विषय पर विस्तृत चर्चा करते हुए उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को जानकारी भी दी गई। आपदा प्रबन्धन फेमेक्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में एनडीआरएफ की भूमिका एवं कार्य के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी गयी।

बाहुबली का करीबी नंदलाल पाण्डेय गिरफ्तार, भाजपा खेमे में मायूसी

विधायक, एवं भाजपाई भी नहीं बचा पाये नंदलाल पाण्डेय को

भदोही/ज्ञानपुर। पूर्व बाहुबली विधायक रहे विजय मिश्रा का एक और करीबी अमवा माफी गांव निवासी नंदलाल पांडेय को कल गैंगस्टर और जालसाजी के मामले में ज्ञानपुर कोतवाली पुलिस ने जिला कलेक्टर के गेट से गिरफ्तार कर लिया। बताते चलें कि पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्रा का नंदलाल पांडेय अति करीबी माना जाता रहा और नंदलाल के कारण ही जिले में कई हत्याएं भी हुई थीं। इसका जीता-जागता उदाहरण आज भी लोगों के मन में ताजा है। नंदलाल पांडेय का विजय मिश्रा के कार्यकाल में तूती बोलती थी और यही नहीं, जिले में जितने ब्राह्मणों की हत्या हुई, उनमें नंदलाल पांडेय मुख्य सूत्रधार रहा। जमीन का फर्जी बैनामा कराने के आरोप में दर्ज मुकदमे को लेकर ज्ञानपुर पुलिस ने नंदलाल पांडे को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बताया जाता है कि नंदलाल पांडेय के ऊपर जब मुकदमा पंजीकृत हुआ तो भारतीय जनता पार्टी में हलचल शुरू हो गई।

औराई के विधायक और ज्ञानपुर के निषाद पार्टी के विधायक मुखर होकर नंदलाल पांडेय का समर्थन में उतर आए। यही नहीं, नंदलाल पांडेय को बचाने के लिए औराई विधायक एवं अन्य भाजपा के कई दिग्गज नेताओं ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ जाकर उसकी मुलाकात भी करवाई। लेकिन बाहुबली विजय मिश्रा के खिलाफ अभियान चलाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता बंशीधर उपाध्याय ने विजय मिश्रा और नंदलाल पांडेय की सारी हकीकत मुख्यमंत्री को अवगत कराया। जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले को संज्ञान लिया और पूरी तहकीकात करवाई, तो सच सामने आ गया और अंत में पुलिस ने नंदलाल पांडेय पर शिकंजा कसा और उसे जेल भेजने में सफल रही।

बताते चलें कि बंशीधर उपाध्याय ने विजय मिश्रा का साम्राज्य पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। यही नहीं, चुनाव में भी उसे मुंह की खानी पड़ी और आज स्थिति यह है कि उसके अधिकतर गुर्गे अपनी जान बचाकर उत्तर प्रदेश छोड़कर अन्य प्रदेशों में शरण लिए हुए हैं। बाहुबली अभी ऐसे कई करीबी हैं जो समय-समय पर खुराफात करते रहते हैं, उन पर भी जिला प्रशासन और पुलिस के आला अफसरों की नजर बनी हुई है। नंदलाल पांडेय की गिरफ्तारी से विजय मिश्रा खेमे में हलचल मच गई है। एक बार फिर बंशीधर उपाध्याय ने यह साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में कानून से बड़ा कोई नहीं है।

पृष्ठ एक के शेष....

दो वट वृक्ष, कमल...

50 फूलों के प्रतीक तथा पुराने निर्माण को बदलने के सबूत मिले हैं।

बृहस्पतिवार को न्यायालय में बंद लिफाफे में सर्वे की रिपोर्ट के साथ एक प्रार्थनापत्र भी दिया गया है। इसमें उन्होंने सर्वे की तारीखों का हवाला दिया और समय पर रिपोर्ट न दाखिल करने का कारण तबीयत खराब होना बताया। साथ ही रिपोर्ट को पत्रावली पर लिए जाने की अनुमति मांगी।

19 नवंबर को न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल स्थित चंदौसी की अदालत में जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी और हरिशंकर जैन समेत आठ वादकारियों ने वाद दायर किया था। न्यायालय ने उसी दिन अधिवक्ता रमेश सिंह राघव को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया था और सर्वे करने के आदेश दिए थे।

कोर्ट कमिश्नर ने भी उसी दिन कड़ी सुरक्षा में सर्वे किया। 24 नवंबर को वह दोबारा सर्वे करने पहुंचे तो बवाल हो गया था, जिसमें पांच लोगों की जान चली गई। इसके बाद 29 नवंबर को कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश की जानी थी। जिसमें न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर को सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए दस दिन का समय दे दिया था।

बृहस्पतिवार को शाम 4:30 बजे कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह की अदालत में पहुंचे और सर्वे रिपोर्ट दाखिल की। न्यायालय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए लिफाफे को मोहर से सील बंद करा दिया।

एक्सयूवी में सवार...

चोर की पत्नी को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए चोर पर नोएडा-दिल्ली में 72 से अधिक मुकदमे पंजीकृत हैं।

सेंट्रल जोन के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना फेज 3 प्रभारी पुलिस टीम के साथ मामूरा चौक पर बैरियर लगाकर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक एक्सयूवी कार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर कार सवार व्यक्ति ने अपनी कार सेक्टर-71 के छठ पूजा रोड की तरफ दौड़ा दी। इस दौरान पुलिस ने कार की घेराबंदी की। हड़बड़ाहट में कार डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद कार से एक युवक और महिला निकलकर भागने लगे। खुद को घिरा देखकर युवक ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जिसे पुलिस ने दबोच लिया। पकड़े गए बदमाश की पहचान संजय पहाड़िया पुत्र अमर सिंह पहाड़िया निवासी ग्राम बिलावली थाना खेरागढ़ जनपद आगरा के रूप में हुई। पकड़ा गया संजय पहाड़िया हाल में संगम विहार दिल्ली में रह रहा है। इसके पास से तमंचा, कारतूस, एक्सयूवी कार, दो अंगूठी और पांच पेटी शराब की बरामद हुई। घायल संजय पहाड़िया को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस टीम ने कांबिंग के दौरान संजय पहाड़िया की पत्नी रेखा को भी गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी ने बताया कि पकड़ा गया बदमाश संजय पहाड़िया थाना फेस-3 से वांछित चल रहा था और इस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पूछताछ में संजय पहाड़िया ने बताया कि वह चोरी की घटनाओं में अपनी एक्सयूवी कार का प्रयोग करता था। पकड़े गए संजय पहाड़िया पर दिल्ली-नोएडा में 72 से अधिक मुकदमे पंजीकृत हैं। संजय पहाड़िया के खिलाफ थाना सेक्टर 20 पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस का कहना है कि संजय पहाड़िया ने चोरी की सैकड़ों घटनाओं को अंजाम दिया है। इसके अन्य आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की जा रही है।

बहु व परिजनों पर झूठ....

शुरू कर दिया। उनकी संपत्ति को हड़पने की नीयत से पुत्रवधू ने अपने परिजनों के कहने पर कई बार उन्हें जान से मारने का प्रयास किया। पुत्रवधू की हरकतों से परेशान होकर उन्होंने अपने पुत्र और पुत्रवधू को घर से बेदखल कर दिया। इसके बावजूद भी उनकी पुत्रवधू और उसके परिजन उन्हें लगातार परेशान करते रहे। प्रमोद राउत का आरोप है कि उन्हें तथा परिजनों को दहेज उत्पीड़न और छेड़छाड़ के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर उनसे लाखों रुपये हड़प लिए गए। 25 नवंबर को पुत्रवधू के परिजनों ने उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज करते हुए साढ़े 6 लाख रुपये छीन लिए। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस से की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में याचिका दायर कर मुकदमा दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय के निर्देश पर थाना सेक्टर 24 पुलिस ने अर्पिता नायक, उसके पिता सेनापति नायक, चाचा बनवाली नायक, राजू नायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

वाल्मीकि मोहल्ले में ...

एक दिसंबर की रात को अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर से तेल और कोर वाइंडिंग चोरी कर लिया। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 425000 रुपये है। चोरी की इस घटना से विभाग को लाखों रुपये की हानि हुई है। अवर अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

गौतमबुद्ध बालक ...

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ राजीव कुमार ने बताया कि बाल वाटिका तथा कक्षा एक से 9वीं तक के लिए आवेदन फार्म मिलने शुरू हो गये हैं। छात्र एवं अभिभावक किसी भी कार्य दिवस को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक विद्यालय के रिसेप्शन और विद्यालय के मुख्य द्वार से शाम 4 बजे तक आवेदन फार्म प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानाचार्य ने अपील की है कि नए प्रवेश लेने वाले छात्रों के अभिभावक अपने बच्चों के पुराने विद्यालय से (पीईएन) परमानेंट एजुकेशन नंबर आवेदन फार्म के साथ अवश्य लिखें ।

मॉल घूमने आई...

रेलवे टेक्नीशियन का पेपर देने के लिए नोएडा के सेक्टर-62 आया था। रात्रि के समय वह सेक्टर-62 गोल चक्कर चौक पर उतरा था। इस दौरान पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया। उसने शोर मचा कर बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया लेकिन वह फरार हो गए। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी।

सेक्टर 12 में रहने वाले रविकांत तिवारी ने थाना सेक्टर-63 में मोबाइल झपटमारी की शिकायत दर्ज कराई है। रविकांत तिवारी ने बताया कि 23 दिसंबर को उनका बड़ा भाई सोसायटी के बाहर खड़ा हुआ था। इस दौरान बाइक पर आए बदमाश उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन कर ले गए।

थाना सेक्टर 63 में बरोला के रहने वाले हर्ष राज ने मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हंसराज ने बताया कि एक दुकान से उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

दो किशोरियां...

(काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 31 दिसंबर को उनकी (17 वर्षीय) बेटी घर का सामान लेने के लिए परचून की दुकान पर गई थी। काफी देर तक जब वह घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और लापता किशोरियों की तलाश की जा रही है।

तीनों प्राधिकरण में समान...

भूखंड आवंटित किया जाए न की किसी प्रॉपर्टी डीलर को। 8000 वर्गमीटर से बड़े औद्योगिक भूखंडों का आवंटन आब्जेक्टिव क्राइटेरिया के आधार पर साक्षात्कार के जरिए आवंटन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में मूल्यांकन और आवंटन में पूर्ण पादर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

दरअसल, पॉलिसी को एक बनाने के लिए कंसलटेंट कंपनी सार्क एंड एसोसिएट ने 35 अध्याय और 104 पेज की एक पॉलिसी तैयार की थी । इस पॉलिसी को ग्रेटरनोएडा के बोर्ड में रखा गया था। जिस पर मुख्य सचिव ने तीनों प्राधिकरण से अपने सुझाव मांगे थे। साथ ही एक प्रॉपर नीति तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए कहा था। सीईओ नोएडा प्राधिकरण लोकेश एम ने बताया कि सुझाव को कंपाइल कर मुख्य सचिव को रिपोर्ट भेजा गया था। जिसके बाद शासन की ओर से ये निर्देश आए है।

दरअसल तीनों प्राधिकरण की औद्योगिक नीति को एक समान इसलिए किया गया क्योंकि ये एक ही गौतमबुद्ध नगर जिले का हिस्सा है। यहां आने वाले निवेशकों को कंफ्यूजन न हो। अक्सर देखा गया है कि समय के साथ तीनों प्राधिकरण निवेश के अनुसार अलग-अलग कई अधिसूचनाएं और आदेश जारी करते है। जिससे विशिष्ट मामलों के लिए सही नीतियों की पहचान करना कठिन हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप अक्सर अधिकारियों को समान स्थितियों के लिए अलग-अलग नियम लागू करने पड़ते थे। पॉलिसी को एक समान करने का प्रयास 2010 में शुरू किया गया। इसके तहत तीनों प्राधिकरणों में पात्रता मानदंड, पट्टे की शर्त, किराया संरचना और सभी प्रकार औपचारिकताओं को एक समान करना था। जिसे तीनों प्राधिकरण में एक समान लागू किया जा सके।

भूखंड ट्रांसफर के लिए...

में वांछित प्रपत्रों के साथ इंजीनियर्स पार्क सहकारी आवास समिति की एक एनओसी भी लगाई गई थी। प्रस्तुत प्रपत्रों के क्रम में प्राधिकरण द्वारा उक्त भवन का हस्तांतरण यशपाल के पक्ष में किया गया। इंजीनियर्स पार्क सहकारी आवास समिति ने 28 जून को प्राधिकरण को पत्र द्वारा अवगत कराया कि जिस एनओसी को प्राधिकरण में प्रस्तुत करते हुए उक्त भवन का हस्तांतरण कराया गया है वह इंजीनियर्स पार्क सहकारी आवास समिति द्वारा जारी नहीं की गई है।

समिति ने अनुरोध किया कि कूट रचित एनओसी के आधार पर प्राधिकरण से कराए गए उक्त भवन के हस्तांतरण को निरस्त किया जाए। इस मामले की जांच के बाद पता चला कि हस्तांतरण के लिए लगाई गई एनओसी कूट रचित थी। अंतरण ज्ञापन की शर्तों का उल्लंघन मिलने पर भवन का हस्तांतरण निरस्त कर जमा अंतरण शुल्क को जप्त कर लिया गया। फर्जी एनओसी लगाए जाने पर यशपाल के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

मोबाइल टॉवर से 24 सेल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र के गांव खेरली हाफीजपुर में लगे मोबाइल टॉवर से चोरों ने बैटरी बैंक के 24 सेल चोरी कर लिए। कंपनी के सुपरवाइजर की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मूल रूप से जनपद बुलंदशहर निवासी रविंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह रॉयल कंपनी में सुपरवाइजर है। खेरली हाफिजपुर गांव में इंडस कंपनी का टावर लगा हुआ है। अज्ञात चोरों ने 10 दिसंबर की रात्रि को मोबाइल टावर पर लगे बैटरी बैंक से एक्साइड कंपनी के 24 शैल को चोरी कर लिया। सेल चोरी होने के बाद साइड डाउन हो गई जिसके बाद इस घटना की जानकारी मिली। उन्होंने अपने स्तर पर चोरी की घटना का पता लगाने का प्रयास किया लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

छठी मंजिल के फ्लैट में लगी आग, परिवार की बची जान

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के अभय खंड-एक स्थित आदित्य मेगा सिटी सोसायटी में आज सुबह तड़के छठी मंजिल पर एक फ्लैट में आग लग गई। हादसा छठी मंजिल पर किराये के फ्लैट में रहने वाले अनुभव स्वरूप के घर में शॉर्ट सर्किट से हुआ था। उस समय फ्लैट में छह लोग थे। चीख-पुकार सुनकर सोसायटी के लोग, सुरक्षा गार्ड व अन्य स्थानीय लोग पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की।

फ्लैट में रहने वाले अनुभव स्वरूप ने अग्निशमन विभाग को हादसे की सूचना दी। सीएफओ राहुल पाल चार फायर टेंडर के साथ टीम लेकर मौके पर पहुंचे। आग इतनी भयंकर थी कि आस पड़ोस के फ्लैट भी खाली कराए गए। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद दमकल ने आग पर काबू पा लिया।

परिवार के सभी छह सदस्य सुरक्षित हैं। आग से हुए नुकसान का आंकलन अभी नहीं हो पाया है। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि हादसे का कारण शार्ट सर्किट हो सकता है। मामले की जांच की जाएगी।

संबंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नै पाल सिंह यदुवंशी पुत्र रघुराज सिंह, अंजना सिंह पत्नी नै पाल सिंह, निवासी-बी 156, सुपरटेक अप कंट्री सेक्टर-17ए, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) हम अपने पुत्र रोहित सिंह व पुत्रवधू वसुधा जादौन पौत्रि पाविका सिंह (नाबालिक 8 वर्ष) के व्यवहार से व मुकदमेबाजी की वजह से मेरे कहे अनुसार नहीं चलने के कारण परिवार के संस्कारों को भंग करने के कारण मैं अपने पुत्र रोहित व पुत्रवधू वसुधा जादौन पौत्रि अविका ,अव्यक्त से संबंध-विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से वेदखल कर रहे हैं। इन तीनों को हमारे हमारे जीवन काल में और जीवन काल के बाद हमारी चल- अचल संपत्ति से कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मध्यप्रदेश के किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की

बड़वानी, एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2024-25 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार अंतिम तिथियाँ निम्नलिखित हैं-पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफ़ान, तूफ़ानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़ेकम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा। इस योजना में फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवरेज मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद मध्य प्रदेश सरकार के कृषि विभाग से स्वीकृत हैं। अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों के किसान अपने जिले में स्थित बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या फिर अधिकृत एचडीएफसी इर्गो एजेंट से संपर्क करके ऊपर सूचीबद्ध फसलों के लिए पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत इंश्योरेंस कवरेज का लाभ पा सकते हैं।

बोनी कपूर ने यूजेनिक्स हेयर साइंसेजइवेंट में अपने प्रेरणादायक हेयर रिस्टोरेशन यात्रा का किया खुलासा

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख हेयर रिस्टोरेशन क्लिनिक, यूजेनिक्स हेयर साइंसेज ने जेडब्ल्यू मैरियट, जुहू में एक विशेष इवेंट का आयोजन किया, जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज बोनी कपूर, डॉ. प्रदीप सेठी, और डॉ. अरिका बंसल ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस भव्य अवसर पर उन्नत हेयर रिस्टोरेशन तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति का उत्सव मनाया गया, और बोनी कपूर ने अपनी अद्वितीय हेयर ट्रांसप्लांट यात्रा साझा की।एक व्यक्तिगत और दिलचस्प सत्र में, बोनी कपूर ने यूजेनिक्स के साथ अपने अनुभव के बारे में खुलकर कहा, स्वयं की देखभाल और आत्मविश्वास अनमोल हैं। इस हेयर ट्रांसप्लांट ने मेरी उपस्थिति को नया जीवन दिया और मेरे आत्मविश्वास को पुनः जागृत किया।

अब मैं खुद को ज्यादा जवान और आत्मविश्वासी महसूस करता हूं, और यह हर किसी के लिए एक उपहार है। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने श्रोताओं पर गहरा असर छोड़ा और हेयर रिस्टोरेशन के मानसिक और शारीरिक प्रभाव को उजागर किया। इस चर्चा में डॉ. प्रदीप सेठी, यूजेनिक्स के सह-संस्थापक, ने क्लिनिक की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य हेयर रिस्टोरेशन में वैश्विक मानकों को नया रूप देना है। लगातार हमारी तकनीकों को विकसित कर, हम हजारों लोगों को उनका आत्मविश्वास वापस दिलाने में मदद कर चुके हैं और अद्वितीय परिवर्तन हासिल करने में सफल रहे हैं।इस इवेंट में एक सरप्राइज उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी रोमांचक बना दिया, जब फिल्म निर्माता अनीस बज्मी ने यह खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में यूजेनिक्स में हेयर ट्रांसप्लांट कराया है। अनीस ने कहा, बोनी की परिवर्तनशीलता ने मुझे भी इस कदम को उठाने के लिए प्रेरित किया। मैं परिणामों को देखकर खुश हूं।

घने कोहरे की चादर में लिपटा दिल्ली-एनसीआर

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली समेत पूरा एनसीआर शुक्रवार की सुबह घने कोहरे की चादर से लिपटा नजर आया। घने कोहरे के कारण कई फ्लाइट व ट्रेनें देरी से चल रही है। कोहरे की जिसकी वजह से विजिबिलिटी काफी कम हो गई थी और यातायात के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर दृश्यता अभी भी शून्य मीटर पर है। वहीं कोहरे की वजह से कई ट्रेनें और उड़ानें प्रभावित हुई हैं।

पिछले 12 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम दृश्यता का आंकड़ा सामने आया है। शुक्रवार सुबह साढ़े छह बजे पालम में 100 मीटर घना कोहरा छाया रहा। वहीं सुबह साढ़े पांच बजे सफदरजंग में 300 मीटर मध्यम कोहरा छाया रहा।

वहीं कोहरे की वजह से कई ट्रेनें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर देरी से चल और पहुंच रही हैं। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट अधिकारियों ने शुक्रवार को एक एडवाइजरी जारी की है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी उड़ान के बारे में जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। घने कोहरे की वजह से 100 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुई हैं।

कोहरे के चलते ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो गई है। दिल्ली आने वाली 24 ट्रेनें देरी से चल रही हैं और फ्लाइट्स पर भी असर पड़ सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण शुक्रवार सुबह दिल्ली हवाईअड्डे पर 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई।

राष्ट्रीय राजधानी में घना कोहरा छाया रहा जिसके कारण दृश्यता कम रही। अधिकारी ने कहा कि 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई है लेकिन अब तक कोई मार्ग परिवर्तन नहीं हुआ है। हालांकि दिल्ली एयरपोर्ट का कहना है कि यात्री अपनी यात्रा के संबंध में एयरलाइन से जानकारी लेते रहें।

सीएम आवास की सुरक्षा होगी और सख्त, 21 करोड़ का बजट

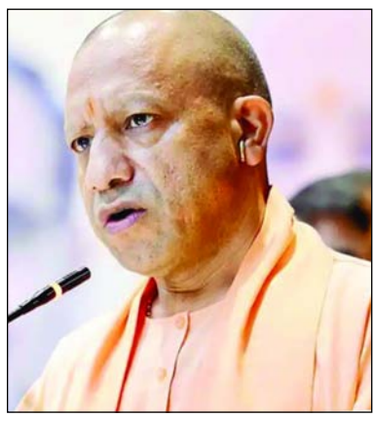

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास और आसपास के इलाके की सुरक्षा और मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। सीएम हाउस की सुरक्षा और पुख्ता करने के लिए लगभग 21 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।

इस योजना के तहत सीएम आवास के आसपास की सड़कों पर सुरक्षा बढ़ाई जाएगी और एंट्री-एग्जिट चेक प्वाइंट बनाए जाएंगे। इसके अलावा सीएम आवास पर हाईटेक सुरक्षा उपकरण भी लगाए जाएंगे, जिनमें बूम बैरियर, टायर किलर, शैलो रोड ब्लॉकर और बैरियर लिफ्ट सिस्टम शामिल हैं।

बता दें कि गृह विभाग ने सुरक्षा उपकरणों की खरीद के लिए बजट जारी कर दिया है. यह कदम सीएम आवास और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए उठाया गया है। ये सुरक्षा उपकरण किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सक्रिय हो सकेंगे और किसी भी अनाधिकृत वाहन को प्रवेश करने से रोकने में सक्षम होंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएम आवास के आसपास सुरक्षा को और चाक चौबंद करने के लिए एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर विशेष चेक पोस्ट बनाए जाएंगे। इन चेक प्वाइंट्स पर हाईटेक उपकरण लगाए जाएंगे, जो हर वाहन और व्यक्ति की सघन जांच करेंगे।

दादा के सपने को पूरा करने के लिए पिता ने दिखाया अटूट समर्पण, जामनगर में बोलीं ईशा अंबानी पीरामल

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी ने अपने पिता धीरूभाई अंबानी के सपने को पूरा करने के लिए अटूट समर्पण दिखा। उनके लिए कर्तव्य से बड़ा कुछ भी नहीं है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी-पीरामल ने जामनगर रिफाइनरी के 25 साल पूरे होने परकर्मचारियों और उनके परिवारों को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस रिफाइनरी की परिकल्पना रिलायंस के संस्थापक धीरूभाई अंबानी ने की थी और जिसे मुकेश अंबानी ने आगे बढ़ाया।

कार्यक्रम में बोलते हुए ईशा अंबानी पीरामल ने कहा, आज जब हम जामनगर के 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो मुझे अपने दादाजी की मौजूदगी महसूस हो रही है और मैं उन्हें बहुत याद कर रही हूं। यह उनका सपना था, एक ऐसा सपना जो उनके दिल में बसता था। उन्हें यह देखकर बहुत गर्व होता कि जाम नगर आज क्या बन गया है। कार्यक्रम के दौरान ईशा ने अपने पिता मुकेश अंबानी अटूट समर्पण की भी चर्चा की और कहा, मैंने अपने पिता के सपने को साकार करने के लिए उनके (मुकेश अंबानी के) पूर्ण समर्पण को देखा है। मेरे पिता मुकेशभाई अंबानी एक दूरदर्शी और दृढ़ निश्चयी व्यक्ति है। उनके लिए कर्तव्य से बड़ा कुछ नहीं है। उनके लिए अपने पिता के सपनों से बड़ा कुछ नहीं है। ईशा ने मुकेश अंबानी के बारे में कहा, आप न केवल एक व्यवसायी के रूप में, बल्कि एक बेटे, एक पिता और एक इंसान के रूप में हमारी प्रेरणा हैं। जामनगर और आपने हमें दिखाया है कि जब हम एकता, जुनून और उद्देश्य के साथ बढ़ते हैं तो कुछ भी असंभव नहीं है। जामनगर स्वर्ग है और हम इसे अपना घर कहते हुए बहुत भाग्यशाली महसूस करते हैं। जामनगर रिफाइनरी का संचालन 1999 में शुरू हुआ था। पिछले कुछ वर्षों में, यह भारत की औद्योगिक शक्ति और नवाचार का प्रतीक बन गया है, जिसने देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

99 प्रतिशत टूट गया था पावर शेयर, अब लगातार चढ़ रहा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस पावर के शेयर में लगातार तेजी देखी जा रही है। कंपनी के शेयर की कीमत में आज गुरुवार को 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई और यह शेयर 46.23 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। इसी के साथ इसमें लगातार तीसरे कारोबारी सेशन में तेजी देखी गई। बता दें कि कंपनी के शेयर में तेजी के पीछे एक पॉजिटिव खबर है। दरअसल, रिलायंस पावर की यूनिट सासन पावर लि. ने ब्रिटेन की आईआईएफसीएल को एक बार में 15 करोड़ डॉलर का कर्ज चुका दिया है। कंपनी ने इसके साथ 31 दिसंबर, 2024 की कर्ज प्रतिबद्धता को पूरा किया।

क्या है डिटेल

रिलायंस पावर ने 1 जनवरी को एक नियामक फाइलिंग में कहा कि यह कर्ज भुगतान सासन पावर की ऋण भुगतान क्षमता को मजबूत करेगा, नकदी में सुधार करेगा और इसकी साख को बढ़ाएगा। अनिल अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस पावर निजी क्षेत्र की प्रमुख बिजली उत्पादक कंपनी है। सासन पावर मध्य प्रदेश के सासन में 3,960 मेगावाट का अत्याधुनिक बिजलीघर संचालित कर रही है। यह दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत कोयला आधारित बिजली संयंत्र है।

यह प्लांट सात राज्यों... मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और नयी दिल्ली में 14 वितरण कंपनियों को 1.54 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली की आपूर्ति करता है। यह देश में सबसे कम शुल्क दर है। इससे 40 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को बिजली मिल रही है। कर्ज चुकाने से रिलायंस पावर का बही-खाता और मजबूत हुआ है।

इसके साथ कंपनी ने अपना ध्यान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की ओर केंद्रित किया है। शून्य कर्ज वाली कंपनी, रिलायंस पावर ने हाल ही में तरजीही आधार पर इक्विटी से जुड़े वॉरंट के माध्यम से 1,525 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

कंपनी के शेयरों के हाल

बता दें कि पिछले तीन दिन में कंपनी के शेयर 10 प्रतिशत से अधिक चढ़े हैं। छह महीने में यह शेयर 60 प्रतिशत और सालभर में इसमें 90 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। रिलायंस पावर के शेयर पांच साल में 1200 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, लंबी अवधि में इसने अपने निवेशकों को तगड़ा नुकसान भी कराया है। 16 मई 2008 को इस शेयर की कीमत 261 रुपये थी। 15 मई 2020 को यह 1.80 रुपये के भाव पर पहुंच गया था। यानी इस इस अवधि में इसमें 99 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी।

दिसंबर में भारत की विनिर्माण वृद्धि दर 12 महीने के निचले स्तर पर, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में 12 महीने के निचले स्तर पर आ गई, क्योंकि नए व्यापार ऑर्डर और उत्पादन में धीमा विकास हुआ। गुरुवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स दिसंबर में 56.4 पर था, यह नवंबर के 56.5 से कम रहा, जो परिचालन स्थितियों में कमजोर सुधार को दर्शाता है। गिरावट के बावजूद, मुख्य आंकड़ा 54.1 के अपने दीर्घकालिक औसत से ऊपर रहा, जिससे मजबूत वृद्धि दर का संकेत मिलता है। पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है।

एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, औद्योगिक क्षेत्र में मंदी के रुझान के और अधिक संकेत के बीच भारत की विनिर्माण गतिविधि 2024 में नरम रुख के साथ मजबूत रही। नए ऑर्डरों में विस्तार की दर साल में सबसे धीमी रही, जो भविष्य में उत्पादन में कमजोर वृद्धि का संकेत देती है। प्रतिस्पर्धा और मूल्य दबाव के कारण विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि बाधित हुई। लैम ने कहा कि नये निर्यात ऑर्डरों की वृद्धि में कुछ वृद्धि हुई है, जो जुलाई के बाद सबसे तेज गति से बढ़ी है।

सर्वेक्षण में कहा गया है, हालांकि कुल नए कारोबार की तुलना में नई निर्यात बिक्री की दर धीमी रही, लेकिन निर्यात की वृद्धि की गति मजबूत हुई, क्योंकि कंपनियां दुनिया भर से अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डर प्राप्त करने में सक्षम रहीं। सर्वेक्षण के अनुसार, विकास की पर्याप्त दर के परिणामस्वरूप खरीद स्तर और रोजगार में और अधिक वृद्धि हुई।

नए रोजगार में हो रहे सुधार के कारण भारत में विनिर्माण कम्पनियों को उत्पादन प्रक्रियाओं में उपयोग के लिए अतिरिक्त इनपुट खरीदने के लिए प्रेरित किया गया और रोजगार के मोर्चे पर, लगभग दस में से एक कम्पनी ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की, जबकि 2 प्रतिशत से भी कम कम्पनियों ने नौकरियों में कटौती की।

कीमतों के मोर्चे पर, नवंबर से कंटेनर, सामग्री और श्रम लागत में कथित रूप से वृद्धि के साथ, भारतीय निर्माताओं ने समग्र व्यय में एक और वृद्धि दर्ज की। हालांकि, महीने-दर-महीने के आधार पर, इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति की दर ऐतिहासिक मानकों के अनुसार मध्यम थी। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल की ओर से लगभग 400 निर्माताओं के पैनल में क्रय प्रबंधकों को भेजी गई प्रश्नावली के उत्तरों से संकलित किया जाता है।

शेयर ने पकड़ी बुलेट जैसी रफ्तार, पॉजिटिव सेल्स आंकड़ों से मिला बूस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। नए साल के दूसरे दिन यानी 2 जनवरी को भारतीय शेयर बाजार में बंपर उछाल आया। इस पॉजिटिव माहौल के बीच रॉयल एनफील्ड बाइक और कॉमर्शियल वाहनों की निर्माता कंपनी आयशर मोटर्स लिमिटेड के शेयरों पर भी निवेशक टूट पड़े। हालांकि, रॉयल एनफील्ड के सेल्स आंकड़ों ने निवेशकों को आयशर मोटर्स के शेयर की ओर अट्रैक्ट किया है।

2 जनवरी यानी गुरुवार को आयशर मोटर्स के शेयर 8 प्रतिशत उछालकर 5242.90 रुपये के भाव तक पहुंच गए। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। पिछले साल जनवरी महीने में ही यह शेयर 3,564 रुपये के भाव पर था। बता दें कि साल 2024 में शेयर में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी और 2020 से हर साल पॉजिटिव एनुअल रिटर्न दिया है।

आयशर मोटर्स पर कवरेज करने वाले 42 विश्लेषकों में से 21 ने शेयर को खरीदने की सलाह दी है। इनमें से 12 विश्लेषकों ने होल्ड कहा है जबकि उनमें से 9 ने बेचने की रेटिंग दी है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में आयशर मोटर्स ने कहा कि दिसंबर महीने के दौरान रॉयल एनफील्ड की बिक्री 25 प्रतिशत बढ़कर 79,466 यूनिट हो गई। वहीं, पिछले साल दिसंबर के महीने में 63,887 यूनिट बेची गई थी। आंकड़ों के मुताबिक 350 सीसी तक की इंजन क्षमता वाले रॉयल एनफील्ड मॉडल की बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 69,476 यूनिट पर पहुंच गई।

ग्रेनो सीईओ रवि कुमार एनजी को एनसीआर के आयुक्त का प्रभार मिला

शासन ने 46 आईएएस अफसरों के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव, कईयों को नई जिम्मेदारी

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन ने 46 आईएएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है तो कुछ को अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इसी कड़ी में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ तथा स्थानिक आयुक्त रवि कुमार एनजी को वर्तमान पद के साथ-साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है। वहीं नोएडा प्राधिकरण के पूर्व चेयरमैन अनिल कुमार सागर को हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग में प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे फ्लिहाल प्रतीक्षारत थे।

फेरबदल की इस कड़ी में दीपक कुमार : अपर मुख्य सचिव, वित्त, संस्थागत वित्त, वाह्य सहायतित परियोजना, माध्यमिक शिक्षा, गृह, गोपन, वीजा, पासपोर्ट तथा सतर्कता विभाग एवं वित्त आयुक्त-अपर मुख्य सचिव, गृह, गोपन, वीजा, पासपोर्ट तथा सतर्कता विभाग के प्रभार से अवमुक्त करते हुए अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार

लक्कु वेंकटेश्वरलू : प्रमुख सचिव, परिवहन, अध्यक्ष, उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम, महानिदेशक, उप्र प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी तथा महानिदेशक, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान-वर्तमान पद के साथ प्रमुख सचित, समाज कल्याण तथा सैनिक कल्याण, निदेशक जनजाति विकास प्रबंध निदेशक यूपीसिडको, निदेशक अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा निदेशक छत्रपति शाहू जी महाराज शोथ एवं प्रशिक्षण संस्थान का अतिरिक्त प्रभार

राजेश कुमार सिंह : प्रथम-प्रतीक्षारत-प्रमुख सचिव, होमगार्डस विभाग

बाबू लाल मीणा : प्रमुख सचिव उद्यान, रेशम, खाद्य प्रसंस्करण तथा होमगार्डस विभाग-प्रमुख सचिव, होमगार्डस विभाग के प्रभार से अवमुक्त

आलोक कुमार द्वितीय : प्रमुख सचिव, खेल, युवा कल्याण, सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, सार्वजनिक उद्यम, प्राविधिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग तथा महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम-प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, सार्वजनिक उद्यम, प्राविधिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग तथा महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम के प्रभार से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास तथा एनआरआइ विभाग का अतिरिक्त प्रभार

नरेन्द्र भूषण : प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत तथा पंचायती राज विभाग-प्रमुख सचिव पंचायती राज के प्रभार से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार

वीना कुमारी मीणा : प्रमुख सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, आबकारी तथा आयुष विभाग-प्रमुख सचिव आयुष विभाग के प्रभार से अवमुक्त

संजय प्रसाद : प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, प्रोटोकाल तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग-वर्तमान पद के साथ प्रमुख सचिव गृह, गोपन, वीजा, पासपोर्ट तथा सतर्कता विभाग का अतिरिक्त प्रभार

अनिल गर्ग : प्रमुख सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन, परती भूमि विकास, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं, अध्यक्ष पैक्ट, स्टेट नोडल आफिसर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना तथा प्रबंध निदेशक उप्र भूमि सुधार निगम-स्टेट नोडल आफिसर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के प्रभार से अवमुक्त

डा. एमके शनमुगा सुंदरम : प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा विभाग-प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन विभाग

महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल : प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, सहकारिता, राजनीतिक पेंशन तथा नागरिक सुरक्षा विभाग- प्रमुख सचिव सहकारिता, राजनीतिक पेंशन व नागरिक सुरक्षा के प्रभार से अवमुक्त

डा. हरिओम : प्रमुख सचिव समाज कल्याण तथा सैनिक कल्याण विभाग, निदेशक जनजाति विकास - प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग

अनिल कुमार तृतीय : प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन, भूतत्व एवं खनिकर्म तथा वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग-प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन तथा भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के प्रभार से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव पंचायती राज के पद का अतिरिक्त प्रभार

आलोक कुमार तृतीय : प्रमुख सचिव नियोजन, कार्यक्रम कार्यान्वयन , खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप विभाग व नोडल अधिकारी वन ट्रिलियन डालर इकोनोमी - प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता सरंक्षण एवं बाट माप के प्रभार से अवमुक्त

पी गुरु प्रसाद : प्रमुख सचिव राजस्व, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा आवास एवं शहरी नियोजन विभाग एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन -प्रमुख सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के प्रभार से अवमुक्त

संयुक्ता समद्दार : आयुक्त राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-प्रमुख सचिव राजनीतिक पेंशन तथा नागरिक सुरक्षा

रंजन कुमार : सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग-प्रमुख सचिव आयुष तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग

अनुराग यादव : सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान तथा कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन -प्रमुख सचिव आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग

सौरभ बाबू : आयुक्त खाद्य एवं रसद -प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग

रणवीर प्रसाद : प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि., उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि. जल विद्युत निगम लि.- प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप विभाग एवं आयुक्त खाद्य एवं रसद

संजय कुमार : प्रबंधक निदेशक, पीसीएफ, लखनऊ- महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम बनाया गया है।

गुर्राला श्रीनिवासुलु : सचिव, लोक निर्माण विभाग-सचिव सचिवालय प्रशासन

डा. सारिका मोहन : प्रतीक्षारत-सचिव बेसिक शिक्षा विभाग

चन्द्र भूषण सिंह : परिवहन आयुक्त-सचिव, माध्यमिक शिक्षा विभाग

डा. वेदपति मिश्रा : सचिव, माध्यमिक शिक्षा विभाग-सचिव, राजस्व विभाग

ब्रजेश नारायण सिंह : प्रभारी आयुक्त एवं निबंधक, सहकारी समितियां-परिवहन आयुक्त

प्रकाश बिन्दु : प्रबंध निदेशक,यूपीसिडको,निदेशक अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा निदेशक छत्रपति साहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान-सचिव, लोक निर्माण विभाग

भूपेन्द्र एस चौधरी : विशेष सचिव, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग तथा निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण-सचिव लोक निर्माण विभाग में भेजा गया है।

खास खबर

आकाशदीप सिडनी टेस्ट से हुए बाहर

सिडनी । भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह चोटिल होने के कारण शुक्रवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से बार हो गये हैं। इसी को लेकर भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि आकाशदीप की कमर में दर्द है। आकाशदीप के बाहर होने के कारण हर्षित राणा या प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को अंतिम ग्यारह में जगह मिली है। सिडनी क्रिकेट मैदान आमतौर पर स्पिन गेंदबाजों के लिए सहायक रहता है, इसलिए भारतीय टीम 2 स्पिनरों को भी यहां शामिल कर सकती है। आकाशदीप ने इस सीरीज में खेले दो मैचों में पांच विकेट लिए थे। वह ज्यादा विकेट लेने में सफल नहीं रहे क्योंकि उनकी गेंदबाजी में काफी कैच छूटे। इस बीच पांचवें टेस्ट मैच में आकाशदीप के बाहर होने से भारतीय टीम को करार झटका लगा हैं। कोच गंभीर ने कहा कि आकाशदीप कमर में चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

कांबली को अस्पताल से मिली छुट्टी

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। कांबली को करीब दो हफ्ते पहले गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। वह मूत्र संक्रमण और खिंचाव के कारण परेशान थे पर बाद में जांच के बाद उनके मस्तिष्क में थक्के पाए गए थे। कांबली नशे के कारण भी काफी कमजोर हो गये थे। वहीं अपने नये साल के संदेश में कांबली ने लोगों से शराब और नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की और कहा कि बुरी आदतें किसी की भी जिंदगी खराब कर सकती हैं। कांबली का इलाज करने वाले डॉ विवेक त्रिवेदी ने कहा कि वह अब पूरी तरह से ठीक हैं पर उन्हें सावधानियां रखनी होंगी।

पिच अच्छी नजर आ रही : क्यूरेटर

सिडनी । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का पांचवां व अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच शुक्रवार से यहां खेला जाएगा। सिडनी की पिच आम तौर पर पारंपरिक रूप से उपमहाद्वीप की पिच के समान ही मानी जाती है। वहीं पिच क्यूरेटर एडम लुईस ने कहा है कि पिच पर से पहली बार कवर पूरी तरह से हटा दिए गए और 7 मिमी घास काट दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि पांचवें टेस्ट से पहले पिच में भारी रोलिंग होगी। एक वीडियो में लुईस ने कहा कि हमने कवर हटाने के बाद घास काफी और उसके बाद रोलर चलाया। पिच अच्छी नजर आ रही है। अब इसपर पानी छींटा जाएगा। गर्मी होने के कारण ऐसा किया जा रहा है। हम वहां नमी का ध्यान रखेंगे और फिर थोड़ा और रोलर फेरेंगे। सिडनी की सतह में पारंपरिक रूप से उपमहाद्वीप के विकेट की सभी विशेषताएं मौजूद हैं। स्पिनर अक्सर इसपर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। ये बल्लेबाजी के लिए भी बेहतर साबित होती है। इसलिए एक बार जब बल्लेबाजों की नजरें टिक जाती है तो वह बड़े स्कोर बनाता है।

मनु भाकर, डी गुकेश सहित 4 खिलाड़ियों को मिलेगा खेल रत्न

एजेंसी

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर को हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, नए विश्व शतरंज चैंपियन डी. गुकेश और पैरा-हाई जम्पर प्रवीण कुमार के साथ मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित जाएगा।

युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। पुरस्कार के लिए आवेदन करने में त्रुटि के कारण शुरूआत में मनु को खेल रत्न जीतने की दौड़ में शामिल एथलीटों की सूची से बाहर कर दिया गया था।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार वितरण 17 जनवरी को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में होगा।

22 वर्षीय भाकर अगस्त में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बन गईं।

इन्हीं खेलों में, हमरनप्रीत ने भारतीय हॉकी टीम को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाया। दूसरी ओर, 18 वर्षीय गुकेश सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने, साथ ही पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम को ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने में भी मदद की। चौथे प्राप्तकर्ता पैरा हाई-जम्पर प्रवीण होंगे, जिन्हें पेरिस पैरालिंपिक में टी64 चैंपियन का ताज पहनाया गया था। टी 64 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जिनके घुटने के नीचे एक या दोनों पैर गायब हैं और दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर हैं। खेल मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ₹पुरस्कार विजेता 17 जनवरी, 2025 (शुक्रवार) को 11 बजे राष्ट्रपति भवन में एक विशेष रूप से आयोजित समारोह में भारत के राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त करेंगे। 2024 ओलंपिक वर्ष होने के कारण, 32 एथलीटों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिसमें अमन सहरावत, स्वप्निल कुसाले और सरबजोत सिंह जैसे अन्य पेरिस खेलों के पदक विजेता शामिल हैं।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्नः मनु भाकर (निशानेबाजी), डी. गुकेश (शतरंज), हरमनप्रीत सिंह (हॉकी) और प्रवीण कुमार (पैरा-एथलेटिक्स)।

अर्जुन पुरस्कारः ज्योति याराजी (एथलेटिक्स), अन्नू रानी (एथलेटिक्स), नीटू (मुक्केबाजी), स्वीटी (मुक्केबाजी), वंतिका अग्रवाल (शतरंज), सलीमा टेटे (हॉकी), अभिषेक (हॉकी), संजय (हॉकी), जरमनप्रीत सिंह (हॉकी), सुखजीत सिंह (हॉकी), राकेश कुमार (पैरा-तीरंदाजी), प्रीति पाल (पैरा-एथलेटिक्स), जीवनजी दीप्ति (पैरा-एथलेटिक्स), अजीत सिंह (पैरा-एथलेटिक्स), सचिन सरजेराव खिलारी (पैरा-एथलेटिक्स), धरमबीर (पैरा-एथलेटिक्स), प्रणव सूरमा (पैरा-एथलेटिक्स), एच होकाटो सेमा (पैरा-एथलेटिक्स), सिमरन (पैरा) - एथलेटिक्स), नवदीप (पैरा-एथलेटिक्स), नितेश कुमार (पैरा-बैडमिंटन), थुलसिमथी मुरुगेसन (पैरा-बैडमिंटन), निथ्या श्री सुमति सिवन (पैरा-बैडमिंटन), मनीषा रामदास (पैरा-बैडमिंटन), कपिल परमार (पैरा-जूडो), मोना अग्रवाल (पैरा-शूटिंग), रूबीना फ्रांसिस (पैरा-शूटिंग), स्वप्निल सुरेश कुसाले (शूटिंग), सरबजोत सिंह (शूटिंग), अभय सिंह (स्क्वैश), साजन प्रकाश (तैराकी), अमन (कुश्ती)।

चीन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा अमेरिका

एजेंसी

सिडनी। स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ और टेलर फ्रिट्ज ने बुधवार को अपने एकल मुकाबलों में जीत के साथ चीन को यूनाइटेड कप से बाहर कर शीर्ष वरीयता प्राप्त संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब कजाकिस्तान के साथ यूएसए भी अंतिम चार में शामिल है, जबकि ग्रुप चरण भी छठे दिन पूरा हो गया, जिसमें पोलैंड ने चेकिया को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिटेन को 2-1 से हराया। पर्थ में सर्वोच्च स्थान पर रहने के बाद, क्वार्टरफाइनलमें उलटफेर की चीन

की संभावनाओं को झटका लगा, जब फॉर्म में चल रहे गाओ शिन्यू को चोट के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा। 175वीं रैंक वाली गाओ ने विश्व की नंबर पांच खिलाड़ी झेंग किनवेन की जगह शानदार प्रदर्शन करते हुए बीट्रीज हदाद मैया और लॉरा सीजमंड को हराया। 205वीं रैंक वाली झांग शुआई ने पर्थ के आरएसी एरिना में कोको गॉफ के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और शुरूआती सेट में तीन बार उनकी सर्विस तोड़ी। लेकिन विश्व की नंबर तीन खिलाड़ी ने चुनौती का सामना किया और बेसलाइन पर अपनी मारक क्षमता को बढ़ाया और अंततः एक घंटे 34 मिनट में 7-6 (4), 6-2 से जीत हासिल की। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी फ्रिट्ज ने एक घंटे और 20 मिनट में झांग झिझेन पर 6-4, 6-4 की शानदार जीत के साथ यूएसए के लिए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर दी। यूएस ओपन के फाइनलिस्ट ने शानदार सर्विस की और झांग के गलतियों से भरे प्रदर्शन का फायदा उठाया, जिन्होंने टूर्नामेंट में 1-2 का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले पर्थ में, कजाकिस्तान ने विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव के हटने का फायदा उठाते हुए जर्मनी के खिताब की रक्षा को समाप्त कर दिया।

सिडनी में अपने दस हजार रन पूरे कर सकते हैं स्मिथ

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अगर सिडनी टेस्ट मैच में 38 बना पाने में सफल रहे तो टेस्ट में 10000 रन पूरा करने वाले बल्लेबाजों के कलब में शामिल हो जाएंगे। ऐसे में स्मिथ 10000 टेस्ट रन पूरा करने चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे आगे इस समय केवल रिकी पोंटिंग (13,378), एलन बॉर्डर (11,174) और स्टीव वॉ (10,927) हैं। ऐसे में स्मिथ के पास एक अहम उपलब्धि हासिल

करने का अवसर है।

पूर्व कप्तान बॉर्डर ने स्मिथ की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग से की है। बॉर्डर ने कहा है कि मुझे लगता है कि स्टीव स्मिथ भी पोंटिंग की तरह के बल्लेबाज हैं। बॉर्डर ने कहा कि स्मिथ ने अपने खेल से अपने को साबित किया है। बॉर्डर ने स्मिथ को लेकर कहा, मैं उनके लिए वाकई बहुत खुश हूं। सिडनी में काफी दर्शक होंगे जिनका उन्हें समर्थन मिलेगा। बॉर्डर ने आगे कहा कि, स्मिथ अब तक के सर्वश्रेष्ठ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के रूप में पोंटिंग की बराबरी कर रहे हैं।

सिनर और अल्कराज से निपटने रणनीति बनाएंगे जोकोविच

एजेंसी

ब्रिस्बेन । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि उनका लक्ष्य 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले अपने नए कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर रणनीति बनाना है जिससे की यानिक सिनर और कार्लोस अल्कराज जैसे युवा खिलाड़ियों से मुकाबला किया जा सके। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी 23 वर्षीय सिनर ने गत वर्ष ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी ओपन तथा 21 वर्षीय अल्कराज ने विंबलडन और फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल के खिताब जीते थे। ऐसे में अब जोकोविच इन खिलाड़ियों से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करना चाहते हैं। जोकोविच ने कहा कि मर्रे के साथ मिलकर सिनर और अल्कराज के वीडियो देखकर

उनके खेल की समीक्षा करेंगे। अपने 100वें एटीपी खिताब को हसिल करने का प्रयास कर रहे जोकोविच ने कहा कि वह मर्रे साथ मिलकर अपने खेल में छोटे-छोटे बदलाव करेंगे। जोकोविच ने कहा, ह्यमैं अपने खेल में अधिक बदलाव करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। उन्होंने कहा, ह्यलेकिन मैं निश्चित रूप से सुधार करना चाह रहा हूं, भले ही यह मामूली हो। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से भी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हूं।

राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता में खुशी का चयन

मुरादाबाद। आकाँक्षा विद्यापीठ इंटर कॉलेज मिलन विहार के प्रधानाचार्य डॉ. हिमांशु यादव ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता में कॉलेज की कक्षा-11 की छात्रा खुशी पुत्री अमित पाल सिंह का चयन हुआ। राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता 3 जनवरी से 8 जनवरी तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रही है। प्रधानाचार्य डॉ. हिमांशु यादव ने आगे बताया कि 68वीं प्रदेश स्तरीय कुराश प्रतियोगिता 2024-25 पिछले साल 9 सितम्बर से 11 सितम्बर तक अयोध्या में आयोजित हुई थी, छात्रा खुशी ने बालिका वर्ग-अंडर 17 में गोल्ड मेडल (प्रथम स्थान) प्राप्त किया था। छात्रा विद्यालय के शारीरिक शिक्षक भास्कर राघव के संरक्षण में नियमित अभ्यास करती हैं। विद्यालय के संस्थापक डॉ. बृजपाल सिंह यादव ने छात्रा छात्रा खुशी को उपरोक्त प्रतियोगिता के लिये अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस साल भारत में होगी जूनियर विश्व कप निशानेबाजी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत इस साल जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें । यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ह्यह्यपिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी

प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा, हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरूआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद शीघ्र ही उन्हें इसके बारे में बताएंगे जिससे सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें ह्लह्ल इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं। साल 2023 में सीनियर विश्व कप भी भारत में हुआ था।

ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर नहीं जानी चाहियें : गंभीर

एजेंसी

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सिडनी टेस्ट से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा है कि ड्रेसिंग रूम की बातें यहीं तक सीमित रहनी चाहिए। उनका बाहर जाना सही नहीं होता। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रुम में तनाव की बातें गलत है। गंभीर ने ये बात इसलिए कही क्योंकि टीम में गुटबाजी बातों को लेकर विवाद उठा था। ये भी कहा जा रहा था कि टीम के कुछ खिलाड़ी पहले टेस्ट में भी जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाये जाने के खिलाफ थे। इसी कारण मेलबर्न टेस्ट में हार के बाद गंभीर ने खिलाड़ियों को कड़ी फटकार

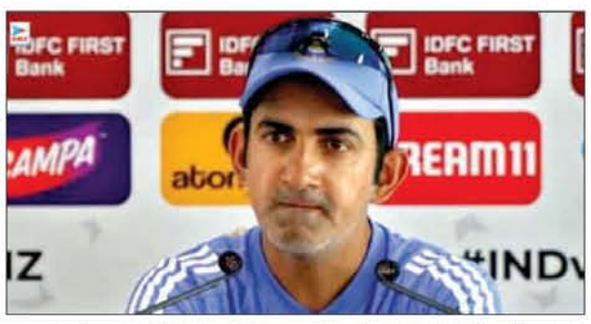

लगायी थी। तब गंभीर ने सीनियर खिलाड़ियों पर भी जमकर निशाना साधा था। गंभीर ने कहा था कि अब उन्हें टीम की योजना के अनुसार काम करना होगा। गंभीर ने टीम में गुटबाजी के सवालों पर कहा कि कोच और खिलाड़ियों के बीच जो बातें होती हैं उन्हें ड्रेसिंग रूम में ही रहनी चाहिए। इस प्रकार की बातें बाहर आने से बेवजह विवाद होते हैं। साथ ही कहा कि.जब तक ड्रेसिंग रूम में ईमानदार लोग मौजूद हैं तब तक भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में रहेगा। कोच ने कहा कि टीम में बने रहना केवल प्रदर्शन पर आधारित होता है। साथ ही कहा कि अगर किसी खिलाड़ी से व्यक्तिगत तौर पर बात होती है तो उसे दोनों के बीच में ही रहनी चाहिएह्ल ड्रेसिंग रूम में तनाव की बातें सहीं नहीं हैं। गंभीर ने भारतीय ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से कहा कि अब बहुत हो गया। खिलाड़ियों को टीम की योजना के अनुसार चलना होगा। कोच ने टीम की योजना को सही तरीके से अमल में नहीं लाने के लिए नाराजगी जतायी। मेलबर्न में भारतीय टीम के अनुभवी खिलाड़ियों ने लापरवाही में विकेट खो दिये।

श्रीलंका के परेरा ने लगाया आक्रामक शतक

एजेंसी

नेल्सन । श्रीलंका के कुसर परेरा ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार शतकीय पारी खेलकर साल की शुरूआत की है। परेरा ने 44 गेंदों पर ही में शतक लगा दिया। इसी के साथ ही परेरा साल 2025 में शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गये हैं। इस श्रीलंकाई ने 46 गेंदों पर 13 चौके और 4 छक्के लगाकर 101 रन बनाये। श्रीलंका ने उनके शतक से 5 विकेट पर 218 रन बनाये। परेरा ने किवी गेंदबाज मैट हेनरी के ओवर में छक्का तीन छक्के लगाकर अपना शतक पूरा किया।

इस तीसरे टी20 में मेजबान कीवी टीम ने टॉस जीतकर श्रीलंका को

पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। लंकाई टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने 42 के स्कोर पर अपने ही अपने दो शुरूआती विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका 14 और कुसल मेंडिस 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद परेरा ने अविष्का फर्नांडो के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 41 रन बनाये। फर्नांडो 17 रन बनाकर आउट हुए। फर्नांडो के आउट होने के बाद परेरा ने कप्तान चरित असलंका के साथ शातकीय साझेदारी कर पारी को आगे बढ़ाया।असलंका ने तेजी से 24 गेंदों पर 5 छक्के और एक चौका लगाकर 46 रन बनाये। इसके बाद भी परेरा की आक्रामक बल्लेबाजी जारी रही। उन्होंने 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। वहीं भानुका राजपक्षा और चामिंडू विक्रमासिंघे 6-6 रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अंतिम टेस्ट आज से

एजेंसी

सिडनी । भारतीय टीम शुक्रवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम मैच में उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करने के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए भी अपनी संभावनाओं को बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम इस मैच में हारी तो वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की दौड़ से बाहर हो जाएगी। भारतीय टीम का जिस प्रकार का प्रदर्शन अब तक रहा है उससे उसका यहां जीत दर्ज करना बेहद कठिन नजर आत है। इस मैच को लेकर अभी तक अंतिम ग्यारह भी तय नहीं है यहां तक कि ये भी नहीं कहा जा सकता कि इसमें कप्तान रोहित शर्मा को अंतिम ग्यारह में

जगह मिलेगी या नहीं। इस मैच में शुभमन गिल की वापसी हो सकती है पिछले मैच में वह बाहर थे। शुभमन नेट्स पर अभ्यास करते दिखे। इसके अलावा युवा ध्रुव जुरेल भी अभ्यास कर रहे थे। ऐसे में ये भी हो सकता है कि रोहित को अंतिम ग्यारह में जगह न भी मिले। रोहित अब तक इस सीरीज में असफल रहे हैं ओर तीन मैचों में केवल 31 रन ही बना पाये हैं। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विराट इस सीरीज में एक शतक को छोड़ दें तो बाकि सभी पारियों में असफल रहे हैं। भारत पहली पारी में रन बनाने के लिए संघर्ष करता दिखा है। उनकी 22.40 की औसत एक सीजन में उनका सातवां सबसे कम है। हालांकि सिडनी एक ऐसी जगह है जहां भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा रहा है। सिडनी का मैदान अब बल्लेबाजी के अनुरुप नहीं रह गया है। लेकिन यहां पर अभी भी 34.85 का गेंदबाजी औसत है जो अन?य मैदानों से काफी बेहतर है। यही एक कारण हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए गेंदबाजी को मजबूत करने पर जोर दे रहा है। इसी कारण उसने खराब फार्म से संघर्ष कर रहे मिचेल मार्श की जगह बो वेबस्टर को शामिल किया है। भारतीय टीम को इस मैच में यशस?वी जायसवाल, केएल राहुल और नीतीश कुमार रेड्डी से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेंगी। ऋषभ पंत को भी इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना होगा। पिछले मैय में वह विकेट पर जमने के बाद लापरहवाही से शॉट खेलकर गुंवा बैठे थे।

वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह पर रहेगी। चोटिल होने के कारण इस मैच में आकाशदीप सिंह नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनकी जगह प्रसिद्ध कृ?णा या हर्षित राणा में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

पर्थ में यूनाइटेड कप टेनिस में खेलते हुए एलेकजेंडर ज्वेरेव।

अलग से नहीं सिखाने होंगे संस्कार, बस बच्चों से कहना शुरू कर दीजिए ये 5 बातें

संस्कार ऐसे गुण होते हैं जो बच्चों में छोटी उम्र से ही डाले जाते हैं. यहां ऐसी ही कुछ बातों का जिक्र किया जा रहा है जिनसे बच्चों को अच्छी बातें सिखाई जा सकती हैं.

- बच्चे अगर दूसरों के सामने अच्छा व्यवहार दिखाते हैं, अच्छी बातें करते हैं और माता-पिता के साथ-साथ अन्य लोगों का भी सम्मान करते हैं तो कहा जाता है कि बच्चे संस्कारी हैं. इससे माता-पिता की परवरिश की खासा तारीफ की जाती है. वहीं, बच्चों में बुरी आदतें नजर आती हैं तो उनके संस्कारों को ही दोष दिया जाता है. लेकिन, आखिर संस्कार होते क्या हैं? असल में बच्चों के अच्छे गुणों (त्रश्थ्स्र ड्डद्यह्वद्गह्य) को ही उनके संस्कार कहा जाता है. ये संस्कार बच्चों में अलग से नहीं डाले जाते बल्कि धीरे-धीरे, रोजमर्रा की आदतों और माता-पिता के व्यवहार से भी बच्चों में संस्कार आते हैं. यहां ऐसे ही कुछ बातों के बारे में बताया जा रहा है जो पैरेंट्स अगर बच्चों से कहते हैं तो बच्चे भी इन अच्छी आदतों को सीखते हैं और जीवन में उतारने लगते हैं. इस तरह खुद-ब-खुद बच्चों में अच्छे संस्कार आने लगते हैं.

मदद करना अच्छी बात है

बच्चे में उदारवादी भावना लाने के लिए या दूसरों के दुखों के प्रति उसे सजग बनाने के लिए उसे मदद करना सिखाया जा सकता है. बच्चे को कहें कि मदद करना अच्छी बात है जिससे जीवन के किसी भी मोड़ पर अगर उसे कोई जरूरतमंद दिखाई दे तो वह उसकी मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहे.

माफी मांगने से छोटे नहीं हो जाते

अक्सर ही देखा जाता है कि छोटी उम्र से ही बच्चों में माफी ना मांगने की जिद नजर आती है. ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे को लगने लगता है कि माफी मांग लेने पर उसकी हार हो जाएगी या उसे किसी के सामने झुकना पड़ेगा. लेकिन, बच्चे को सिखाएं कि माफी मांग लेने का मतलब यह नहीं होता है कि वह किसी के सामने झुक रहा है और माफी मांगने से कोई छोटा नहीं हो जाता है. अपनी गलती का एहसास होना और माफी मांग लेना एक अच्छा गुण होता है.

सत्य की राह सही राह होती है

बच्चे को यह समझाना जरूरी है कि सच बोलकर ही वह जीवन में सचमुच आगे बढ़ता है. सच ना बोलकर या झूठ बोलकर बच्चे एक झूठ को कई गुना तक बड़ा बना देते हैं. वहीं, सच कभी बदलता नहीं है और यह खुद की आत्मसंतुष्टि के लिए भी जरूरी होता है.

शुक्रिया कहना जरूरी है

अगर कोई आपकी मदद करे तो उसे शुक्रियाकहना जरूरी होता है. किसी को शुक्रिया कहने के लिए आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं होती और यही बच्चों को बताना जरूरी है. जब कोई बच्चे की मदद करता है और जब बच्चा उसे थैंक्यू कहता है तो इससे बच्चे के अच्छे संस्कारों का पता चलता है.

सम्मान की भावना जरूरी है

चाहे सामने वाला व्यक्ति छोटा हो या बड़ा, सम्मान का हकदार होता है. यह बात बच्चे से कहना और उसे छोटी उम्र से ही समझाना जरूरी होता है. बच्चे में दूसरों के प्रति सम्मान की भावना होना बेहद आवश्यक है और यह एक ऐसा गुण है जो सभी में होना जरूरी है.

टीनेजर्स की परवरिश में कभी नहीं करनी चाहिए ये 4 गलतियां

बच्चे रहने लगते हैं कंफ्यूज

अक्सर ही माता-पिता टीनेज बच्चों की परवरिश में कुछ बातों का ध्यान नहीं रखते हैं. यही गलतियां लंबे समय तक बच्चों को प्रभावित करती हैं. ऐसे में वक्त रहते इन मिस्टेक्स को सुधारना जरूरी होता है.

सभी माता-पिता का परवरिश का तरीका अलग-अलग होता है. कुछ पैरेंट्स बच्चों के दोस्त बनने की कोशिश करते हैं तो कुछ इतने स्ट्रिक्ट होते हैं कि बच्चे अपने मन की बात कहने से भी घबराने लगते हैं. वहीं, बात अगर टीनेज बच्चों की हो तो यह स्थिति और ज्यादा बिगड़ जाती है. टीनेज में बच्चे खुद को अक्सर ही अकेला महसूस करते हैं. बच्चों को यह समझने में दिक्कत होती है कि उनके शरीर में, मन और मस्तिष्क में यह जो बदलाव हो रहे हैं, क्यों हो रहे हैं और इनका क्या मतलब है. ऐसे में अगर पैरेंट्स का व्यवहार और रवैया उनके प्रति अच्छा नहीं होता तो बच्चे खुद को टूटा हुआ महसूस करने लगते हैं. यहां पैरेंट्स की कुछ ऐसी ही गलतियों का जिक्र किया जा रहा है जो वे टीनेज बच्चों की परवरिश में करते हैं.

कम्यूनिकेशन को मुश्किल बनाना

कई बार पैरेंट्स इतने सख्त हो जाते हैं या फिर बच्चों की बातों का सही तरह से जवाब नहीं देते जिससे बच्चों के लिए अपने माता-पिता से अपने मन की बात कहना मुश्किल हो जाता है. कम्यूनिकेश को मुश्किल बनाने का ही परिणाम होता है कि किशोरावस्था में अगर बच्चे किसी मुसीबत में भी हों या किसी बात को लेकर उलझन में हों तब भी माता-पिता से अपने मन की बात नहीं कह पाते.

बच्चों पर प्रेशर बनाना

टीनेज में बच्चे अलग-अलग चीजें एक्सप्लोर कर रहे होते हैं, खुद को समझने की कोशिश करते हैं, नए दोस्त बनाते हैं और अपनी बहुत सी पुरानी आदतों को पीछे छोड़ने लगते हैं. लेकिन, इस उम्र में अगर बच्चों पर प्रेशर बनाया जाए या किसी काम को जबरदस्ती करवाने की कोशिश की जाए तो वे खुद पर दबाव महसूस करने लगते हैं.

फीलिंग्स को नजरंदाज करना

किशोरावस्था में बच्चों के मन में कई तरह की बातें होती हैं. बच्चे इस उम्र में अलग-अलग इमोशंस को फील करते हैं और अपने मन की बातों को किसी से साझा करना चाहते हैं. लेकिन, अगर पैरेंट्स बच्चों की भावनाओं को नजरंदाज करते हैं तो इससे बच्चों को दुख पहुंचता है. वे अपने ही मन के ख्यालों में उलझे रह जाते हैं.

दूसरे बच्चों से तुलना

जब बच्चों की दूसरे बच्चों से तुलना की जाती है तो उनके मन को गहरी चोट लगती है. पैरेंट्स की यह एक आदत बच्चों के लिए दुख का सबसे बड़ा कारण बन जाती है और पैरेंट्स को लगता है कि बच्चों को जलन हो रही है. लेकिन, बच्चों की इन भावनाओं को जलन का नाम देना सही नहीं है. बजाय बच्चों की तुलना करने के पैरेंट्स को बच्चों को समझने की कोशिश करनी चाहिए.

बच्चों की ब्रेन पावर बढ़ाने के लिए उन्हें खिलाएं ये 4 मेमोरी गेम्स

फोकस होगा अच्छा और नाम करेगा रोशन

यहां बताए जा रहे मेमोरी गेम्स को बच्चों के रोज के खेल में शामिल करें, ताकि उनके फोकस और ब्रेन पावर में सुधार हो सके.

अगर आपको अपने बच्चे की याददाश्त कमजोर महसूस होती है, तो इसका यह कतई मतलब नहीं है कि उनका ब्रेन सामान्य रूप से काम नहीं कर रहा है, बल्कि यह इस बात का संकेत हो सकता है कि उनके दिमाग को ज्यादा ध्यान और अभ्यास की जरूरत है. बच्चों की ब्रेन पावर और मेमोरी बढ़ाने के लिए गेम एक बेहतरीन तरीका हो सकता है. खेल उनको मौज मस्ती के साथ सोचने और समझने की क्षमता को बेहतर बनाने का काम करते हैं. यहां 4 मेमोरी गेम्स दिए जा रहे हैं, जिन्हें बच्चों को खिलाकर उनकी ब्रेन पावर बढ़ाई जा सकती है.. आइए जानते हैं उनके बारे में...

कुछ कार्ड्स पर चित्र या शब्द लिखें और उन्हें उल्टा रख दें. अब आप अपने बच्चे को एक-एक कार्ड उठाने के लिए कहें और उन्हें मैच करने की कोशिश करने को कहें. यह एक बेहतरीन मेमोरी एक्सरसाइज है.

2- सीक्वेंस रिवर्स गेम

बच्चों को कुछ वस्तुओं का चित्र अलग-अलग बनाकर दें, जैसे- किताब, पेंसिल, और बैग. फिर, बच्चों से कहें कि वह इन वस्तुओं को याद करें और बाद में उल्टा क्रम में बताएं या लगाकर दिखाएं.

यह खेल बच्चों का फोकस और मेमोरी को शार्प करता है क्योंकि इसमें चीजों का सीक्वेंस याद रखना और उल्टा बताना होता है, जिससे उनके ब्रेन एक्सरसाइज अच्छी हो जाती है.

3- पजल टाइल्स

बच्चों को सही पजल के टुकड़ों को एक साथ जोड़ने के लिए कहें. इससे उनका ध्यान और याददाश्त तेज होती है क्योंकि उन्हें सही टुकड़े ढूंढने और उन्हें जोड़ने में समय लगता है. इस गेम से बच्चे की सोचने, समझने की क्षमता, तर्क और मेमोरी बढ़ती है.

4- आई स्पाई विद माय आई

इस गेम में आप बच्चे को किसी चीज को ढूंढकर उसका नाम बताने के लिए कहें. फिर, वे उस वस्तु को खोजकर उसका नाम बताएंगे. यह खेल बच्चों के मेमोरी को तेज करता है और उनकी फोकसिंग एबिलिटी को बढ़ाता है.

साइकोलॉजिस्ट ने बताया इन कारणों से आपका बच्चा कहता है आप हैं सख्त माता-पिता

बढ़ते बच्चे अपने पैरेंट्स को बॉसी या सख्त समझने लगते हैं. अगर आपका बच्चा भी आपसे लड़ता है और आपको बॉसी समझता है तो साइकोलॉजिस्ट ने बताया इसकी क्या वजह हो सकती है.

बचपन से ही बच्चों को जो माहौल मिलता है या बच्चों के साथ जिस तरह से माता-पिता बर्ताव करते हैं बच्चे पैरेंट्स की वैसी ही छवि अपने मन में बनाने लगते हैं. कई बार पैरेंट्स को यह तक लगने लगता है कि वे इतने सख्त नहीं हैं जितना बच्चे उनको समझ लेते हैं. खासकर टीनेजर बच्चे पैरेंट्स को बॉसी समझने लगते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि माता-पिता की चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर उनकी उम्र के साथ-साथ बढ़ती जाती है और उनका व्यवहार भी बदलता है. ऐसे में यहां जानिए साइकोलॉजिस्ट का इसपर क्या कहना है. यूनाइटेड स्टेट्स में की गई स्टडी में साइकोलॉजिस्ट ने बताया क्यों बच्चों को पैरेंट्स उतने बॉसी लगते हैं जितने वे होते भी नहीं हैं.

पैरेंट्स को सख्त क्यों समझते हैं बच्चे

पैरेंट्स को सख्त समझने के बच्चों के पास कई तरह के कारण हो सकते हैं. देखा जाए तो बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पैरेंट्स के पास तरह-तरह की स्ट्रेटजी होती हैं. वे बच्चों को अनुशासन सिखाने के लिए कई बार बच्चों को ग्राउंडेड भी कर देते हैं यानी कि उनका बाहर-आना जाना कुछ दिनों के लिए बंद हो जाता है. लेकिन, बच्चे यह समझ नहीं पाते कि माता-पिता ऐसा बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए ही करते हैं.

पैरेंट्स के सख्ती अपनाने की एक वजह यह भी हो सकती है कि पैरेंट्स खुद यही गलतियां कर चुके हैं और नहीं चाहते कि बच्चे भी ये गलतियां दोहराएं.

साइकोलॉजिस्ट का कहना है कि बच्चों का दिमाग लगातार ग्रो करता रहता है, विकसित होता रहता है. यह दिमाग का सबकोरिटकल रीजन होता है जिससे गुस्सा, एंजाइटी और डिफेंसिवनेस जैसे इमोशंस जुड़ें हैं. ऐसे में बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं वैसे-वैसे उनमें डिफेंस आने लगता है जिसमें वे देर तक बाहर रुकना चाहते हैं, नियम तोड़ना चाहते हैं और यह नहीं चाहते कि पैरेंट्स उन्हें रोकें.

ऐसे में बच्चों को यह लगता है कि पैरेंट्स उनपर रोक-टोक लगाते हैं और उन्हें मनमर्जी करने से रोकते हैं. लेकिन, यह पैरेंट्स की चिंता और फिक्र है जिसे बच्चे नहीं समझ पाते. बच्चों को लगता है कि पैरेंट्स सख्ती कर रहे हैं और बॉसी हैं जबकि साइकोलॉजिस्ट का कहना है कि माता-पिता इस तरह की स्थिति को किस तरह हैंडल करना है यह समझ नहीं पाते. ऐसे में वे अपनी पहली प्रतिक्रिया ही जता देते हैं. यानी ना सिर्फ बच्चे बल्कि पैरेंट्स भी स्ट्रगल कर रहे होते हैं. ऐसे में बच्चों को अपने पैरेंट्स को बॉसी समझने या सख्त समझने के बजाय उनके पॉइंट ऑफ व्यू को समझने की कोशिश करनी चाहिए.

माता-पिता को सुधार लेनी चाहिए अपनी ये 5 आदतें

बुढ़ापे में भी बच्चे करेंगे पूरा सम्मान

पैरेंट्स की ऐसी कुछ आदतें हैं जिन्हें अगर वे समय रहते नहीं सुधारते हैं तो बच्चों के मन में माता-पिता के लिए सम्मान की भावना कम होने लगती है. ऐसे में पैरेंट्स को वक्त रहते इन आदतों में सुधार कर लेना चाहिए.

माता-पिता यही चाहते हैं कि अपने बच्चों को अच्छी परवरिश दें. लेकिन, अपनी खुद की गलतियों को वो अक्सर ही नजरअंदाज कर देते हैं. कहते हैं बच्चे स्पोंज की तरह होते हैं, माता-पिता की आदतों को सोखने में वे ज्यादा समय नहीं लगाते. लेकिन, पैरेंट्स की यही बुरी आदतें या बर्ताव बच्चों के मन-मस्तिष्क को प्रभावित भी करता है. बच्चे पैरेंट्स को उस तरह सम्मान की भावना से नहीं देखते जैसे पहले देखा करते थे और साथ ही बुढ़ापे में पैरेंट्स को असम्मान का भागी बनना पड़ता है. ऐसे में यहां जानिए माता-पिता को अपनी कौनसी आदतें सुधार लेनी चाहिए जिससे उम्रभर बच्चे उन्हें सम्मान की नजर से देखें.

अपनी गलती ना मानना

कई बार बच्चों के साथ अगर पैरेंट्स की बहस हो तो माता-पिता अपनी गलती मानने से इंकार कर देते हैं. पैरेंट्स की यह आदत बच्चों को बुरी तो लगती है साथ ही समय बीतने के साथ-साथ बच्चों के मन में अपने माता-पिता के प्रति कुंठा रहने लगती है. बच्चे पैरेंट्स को सम्मान की नजर से देखना छोड़ देते हैं.

बच्चों की बात ना सुनना

जब बच्चे छोटे होते हैं तो उनके पास अपने पैरेंट्स से कहने के लिए बहुत कुछ होता है. कभी बच्चे अपने मन के दुख अपने माता-पिता से बांटना चाहते हैं तो कभी अपनी शिकायतें उनसे कहना चाहते हैं. लेकिन, जब पैरेंट्स बच्चों की बात नहीं सुनते हैं तो बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी गहराना शुरू हो जाती है.

हर बात पर चिल्लाने की आदत

कई बार पैरेंट्स बच्चों पर हर छोटी-बड़ी बात पर चिल्लाना शुरू कर देते हैं. इससे बच्चों के मन में पैरेंट्स से डर गहराने लगता है. इससे कब बच्चे पैरेंट्स के लिए मन में नेगेटिव छवि बना लेते हैं पता नहीं चलता. यह नेगेटिविटी उन्हें जीवनभर अपने पैरेंट्स को सम्मान की नजर से देखने से रोकती है.

झूठ बोलने की आदत

छोटी उम्र में बच्चे माता-पिता के कहे हुए झूठ समझ नहीं पाते. लेकिन, जैसे-जैसे बच्चे बड़े होने लगते हैं इन झूठ को समझना शुरू करते हैं. अपने ही पैरेंट्स को बच्चे असम्मान की भावना से देखना शुरू कर देते हैं और कभी उनपर भरोसा नहीं कर पाते.

पैसा बर्बाद करने की आदत

बहुत से लोगों में पैसों को संभालने नहीं आते हैं. लेकिन, माता-पिता से बच्चों को यही उम्मीद होती है कि वे उनके लिए सेविंग्स रखेंगे जिससे उनकी पढ़ाई का खर्च या शादी का खर्च निकल आएगा. लेकिन, जब पैरेंट्स पैसों की बर्बादी करते हैं तो बच्चों के मन में पैरेंट्स के लिए सम्मान भी कम होना शुरू हो जाता है. ऐसे में माता-पिता को अपनी इस फिजूलखर्ची की आदत को जल्द से जल्द छोड़ देना चाहिए.

शरद केलकर ने संजय लीला भंसाली को बताया परफेक्शनिस्ट

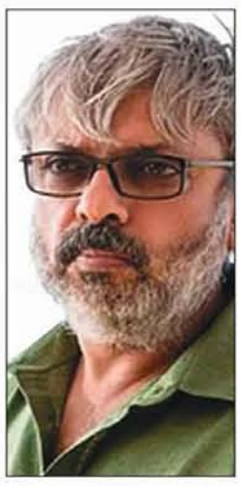

एक्टर शरद केलकर ने हाल ही में संजय लीला भंसाली के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भंसाली के साथ काम करना किसी चुनौती से कम नहीं है, क्योंकि वह अपने काम में पूरी तरह से परफेक्शन चाहते हैं। इसके लिए वह अमिताभ बच्चन जैसे बड़े एक्टर से भी कई बार शॉट्स के लिए टेक्स लेने में बिल्कुल संकोच नहीं करेंगे। हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू में शरद केलकर ने कहा, 'संजय लीला भंसाली सर के साथ काम करना काफी चुनौती से भरा होता है। वह एक्टर से पूरी तरह मेहनत करवाते हैं और जो उन्हें चाहिए होता है, वो हासिल करके ही रहते हैं। शरद की मानें तो हर फिल्म को लेकर भंसाली का एक नजरिया होता है। वह फिल्म को अपने दिमाग में पहले से ही बना लेते हैं, और अगर कोई गलती होती है, तो वह उसे फिर से ठीक कर लेते हैं। वह थोड़ा परफेक्शनिस्ट हैं। उनके दिमाग में यह साफ होता है कि किरदार क्या करेंगे और उनकी सीमा क्या होगी। वह आपको अपनी सोच के करीब लाने के लिए बहुत मेहनत कराते हैं। कभी-कभी यह दबाव कुछ लोगों को परेशान कर सकता है, जबकि कुछ इसे पसंद करते हैं। शरद ने आगे कहा, 'भंसाली सर अमिताभ जी से भी जितने चाहे उतने टेक्स ले सकते हैं। अगर उन्हें अच्छा नहीं लगता तो वह मना भी कर सकते हैं। वह अपने काम को लेकर एकदम सख्त हैं।

'गोलियों की रासलीला रामलीला' में आए थे नजर शरद केलकर फिल्म 'गोलियों की रासलीला रामलीला' में नजर आए थे। एक इंटव्यू में उन्होंने बताया था कि जब उन्होंने फिल्म का सेट देखा था तब वह चौंक गए थे और सोचते थे कि इतने पैसे क्यों खर्च किया जा रहे हैं। मॉडलिंग से की थी करियर की शुरुआत शरद ने साल 2004 में ग्रासिम मिस्टर इंडिया कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया था। इससे पहले शरद फिटनेस ट्रेनर हुआ करते थे। इस कॉन्टेस्ट में शरद फाइनलिस्ट रहे थे, जिसके बाद उन्हें दूरदर्शन के शो आक्रोश में कास्ट कर लिया गया था।

कीर्ति सुरेश को बेबी जॉन के लिए सामंथा ने की थी सिफारिश

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश पहली बार फिल्म बेबी जॉन में स्क्रीन शेयर करते नजर आए। वैसे तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही है, लेकिन इस फिल्म को जिसकी रीमेक बनाया गया यानी थेरी ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। बेबी जॉन की अभिनेत्री कीर्ति ने खुलासा किया की उन्हें इस फिल्म के लिए किसी खास शख्स ने रिकमेंड किया था और इस फिल्म को लेकर वह डरी हुई थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, कीर्ति सुरेश ने खुलासा किया है कि सामंथा रूथ प्रभु ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन के लिए उनकी सिफारिश की थी। यह फिल्म एटली की तमिल ब्लॉकबस्टर थेरी की रीमेक है, जिसमें मूल रूप से दलपति विजय और सामंथा रुथ प्रभु ने मुख्य भूमिका निभाई थी। बेबी जॉन में, कीर्ति ने वह भूमिका निभाई जो मूल रूप से सामंथा ने निभाई थी। एक इंटरव्यू के दौरान बेबी जॉन के लिए कीर्ति ने उनका नाम सुझाने के लिए सामंथा के प्रति आभार व्यक्त किया। कीर्ति ने कहा, जब यह हो रहा था, तब शायद वह मेरे बारे में सोच रही थी। यही बात वरुण धवन ने मुझे बताई थी। मैं इसके लिए जितना भी आभारी रहूं, कम है। सामंथा ने कहा कि कीर्ति इस किरदार को बखूबी निभा पाएगी। आगे कीर्ति ने कहा, तमिल में थेरी में उनका अभिनय मेरे पसंदीदा में से एक है। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस फिल्म को लेकर बहुत डरी हुई थी।

आगे कीर्ति ने कहा, मुझे याद है कि उन्होंने जब बेबी जॉन का ट्रेलर देखने के बाद इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था, मैं इसे किसी और के साथ शेयर नहीं करती, लेकिन आपके साथ करती। यह बहुत प्यारा था और मेरे लिए बहुत मायने रखता था। मैं इससे बेहतर बॉलीवुड डेब्यू की उम्मीद नहीं कर सकती थी। यह उन किरदारों में से एक है, जिन्हें मैं वाकई पसंद करती हूं और मुझे खुशी है कि मुझे इसे हिंदी में निभाने का मौका मिला। बेबी जॉन कीर्ति सुरेश की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। भले ही फिल्म दर्शकों को प्रभावित करने में विफल रही हो, लेकिन कलीज निर्देशित इस फिल्म में कीर्ति सुरेश के अभिनय को कई लोगों ने काफी पसंद किया है। फिल्म में कीर्ति ने मीरा का किरदार निभाया है।

मलाइका अरोड़ा ने बीते साल को लेकर कही अपनी बात

मलाइका अरोड़ा साल 2024 में अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहीं। पहले उनका अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हुआ फिर अभिनेत्री के पिता का निधन हो गया। सोशल मीडिया पर मलाइका ने एक पोस्ट कर बताया कि उनका साल काफी कठिन रहा। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से मलाइका अरोड़ा ने पोस्ट साझा की है। उन्होंने बताया कि ये साल उनके लिए कितना मुश्किल रहा। पोस्ट साझा कर मलाइका ने लिखा- साल 2024, मैं तुमसे नफरत नहीं करती लेकिन तुम बहुत मुश्किल रहे। बहुत सी चुनौतियां, बहुत सारे बदलाव और बहुत सारी सीख। तुमने मुझे दिखाया कि जीवन कैसे बदलता है। पलक झपकते ही जीवन में कितने बदलाव आ जाते हैं। मुझे लगता है मुझे खुद पर और भरोसा करना चाहिए। इस साल ने मुझे बताया कि मेरी मानसिक, शारीरिक और इमोशनल हेल्थ मेरे लिए कितनी जरूरी है।

ऐसा सोचती हैं मलाइका

पोस्ट में लिखा, इस दौरान और भी बहुत सारी चीजें हैं, जिन्हें मुझे समझना होगा लेकिन मुझे लगता है, समय के साथ चीजें और समझ में आने लगेंगी। चीजों के होने की कुछ न कुछ वजह होती है, मैं इस बात को पूरी तरह से मानती हूं। बता दें कि मलाइका और अर्जुन कपूर ने काफी समय तक एक दूसरे को डेट किया। दोनों ने साथ में कई सारी तस्वीरें भी साझा की। वहीं, मई में खबरें आई कि दोनों ने अपने रास्ते बदल लिए हैं। वे नहीं चाहते थे कि उनके रिश्ते को लेकर कोई बात करे। ब्रेकअप की खबरों के बीच ही अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल मेहता का निधन हो गया। इस दौरान बॉलीवुड के कई बड़े सितारों को मलाइका के घर जाकर उनसे मिलते देखा गया। मलाइका अरोड़ा की वर्कफंट की बात करें तो वे रियलिटी शो मूविंग इन विद मलाइका में देखा गया था। वहीं, अर्जुन कपूर को सिंघम अगेन में डेंजर लंका के किरदार में देखा जाएगा।

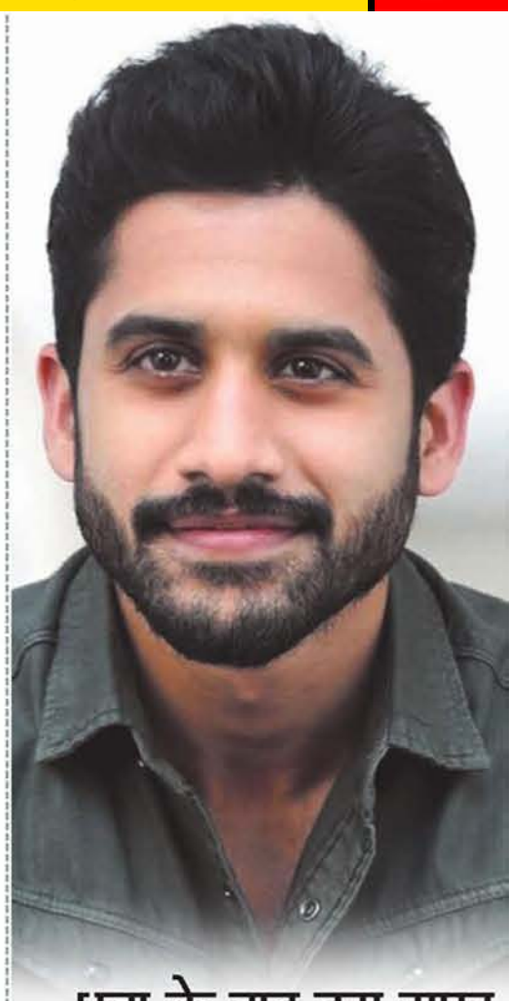

धूता के बाद इस सुपर नैचुरल फिल्म में नजर आएंगे नागा चैतन्य?

साउथ अभिनेता नागा चैतन्य फिल्म धूता में नजर आए थे। फिल्म धूता ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म 1 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म को प्रंशसक की साकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इस हॉरर फिल्म के अलावा नागा एक और हॉटट फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म को विरुपाक्ष के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू निर्देशित करेंगे।

हॉरर फिल्म में नजर आएंगे नागा चैतन्य

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2023 में प्रीमियर होने वाली अमेजन प्राइम सीरीज धूता के बाद, नागा चैतन्य एक धासूं सुपरनैचुरल थ्रिलर जॉनर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। नागा चैतन्य विरुपाक्ष फेम कार्तिक वर्मा दंडू के निर्देशन में एक और सुपरनैचुरल थ्रिलर पर काम कर रहे हैं।

फिल्म को लेकर चल रही है बातचीत

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चै की फिल्म निर्मातों के बीच बातचीत चल रही है। इस सुपरनैचुरल थ्रिलर के लिए अर्का मीडिया वर्क्स में बाहुबली के निर्माता इस रोमांचक प्रोजेक्ट को फंड करेंगे। हालांकि, नागा चैतन्य ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अगर यह प्रोजेक्ट फाइनल हो जाता है, तो यह 2025 की दूसरी छमाही में यह फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी।

आने वाली फिल्म

हाल ही में अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला के साथ एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंधने वाले नागा चैतन्य को अगली बार भावनात्मक समुद्र तटीय प्रेम कहानी थंडेल में देखा जाएगा। इस फिल्म में नागा के साथ साई पल्लवी नजर आएंगी। नागा चैतन्य फिल्म थंडेल में एक मछुआरे की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह पहली बार है, जब वह एक ग्रामीण किरदार निभा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल्लू अरविंद ने इस फिल्म का निर्माण 60 करोड़ रुपये के बजट पर किया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह नागा चैतन्य की अब तक की किसी भी फिल्म का सबसे बड़ा बजट है। यह फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या सुजॉय घोष की अगली फिल्म में काम नहीं कर रहे हैं शाहिद?

सुजॉय घोष को लेकर बीते लंबे समय से खबरें थीं कि वो शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान की आगामी फिल्म किंग का निर्देशन करेंगे। हालांकि, बीते दिन जानकारी मिली कि फिल्म के निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद को सौंपी गई है। वहीं, किंग से बाहर होने के बाद ही एक और खबर वायरल हुई थी कि सुजॉय ने अपने नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो वह एक थ्रिलर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। साथ ही मुख्य भूमिका के लिए इस बॉलीवुड स्टार के साथ बातचीत भी चल रही है और इसमें शाहिद कपूर का नाम सामने आया था। हालांकि, यह खबर पूरी तरह से गलत है।

शाहिद की टीम ने किया इनकार

इस खबर को लेकर जब शाहिद की टीम से बात की तो उन्होंने इस खबर से पूरी तरह से इनकार कर दिया। टीम ने बताया कि अभिनेता ऐसी किसी भी फिल्म में काम नहीं कर रहे हैं। ऐसे में वायरल हो रहीं खबरें पूरी तरह से गलत हैं और बिना किसी आधार पर चर्चा में चल रही हैं।

इस फिल्म को लेकर चर्चा में हैं शाहिद

शाहिद इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म देवा के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस फिल्म के साथ शाहिद एक बार स्क्रीन पर दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। इस फिल्म को रोशन एंड्रयूज ने निर्देशित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में शाहिद एकदम अलग अवतार में नजर आएंगे। फैंस भी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

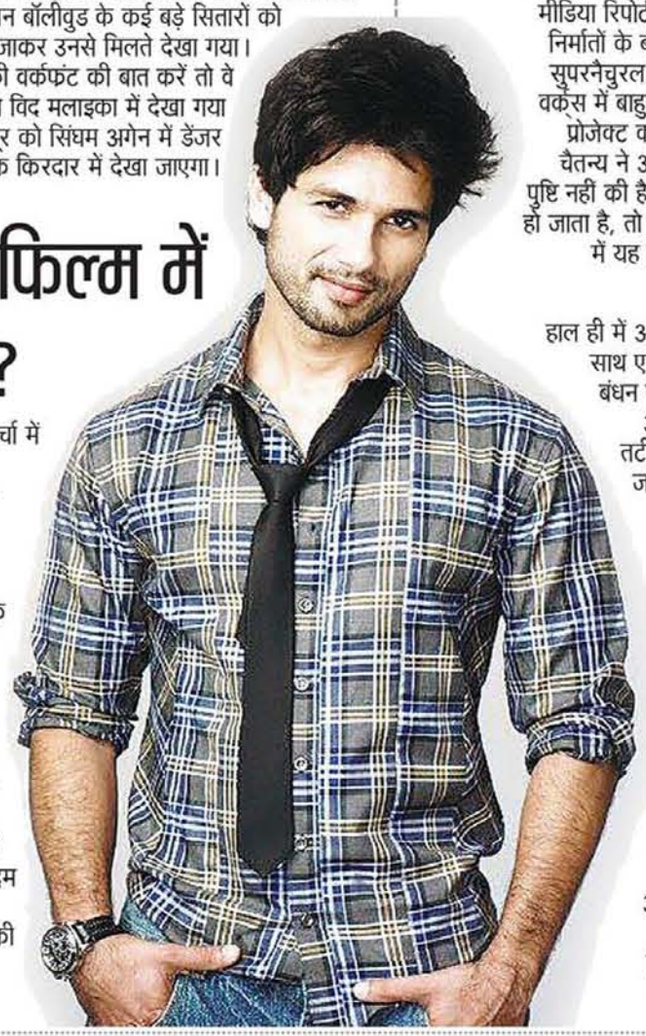

पलक तिवारी की डेटिंग लाइफ पर मां श्वेता ने दिया जवाब -वो हर तीसरे लड़के को डेट करती है

अफवाह है कि पलक तिवारी सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को डेट कर रही हैं। उनके लगातार एक साथ दिखने से इन अफवाहों को हवा मिली। वहीं, बेटी की डेटिंग की रिपोर्ट्स पर अब खुद मां श्वेता तिवारी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। साथ ही खुलासा किया कि इन सबका उन पर कैसा प्रभाव पड़ता है। जब श्वेता तिवारी से बेटी पलक तिवारी की डेटिंग अफवाहों पर उनके विचार पूछे गए, तो उन्होंने कहा, अफवाहें अब मुझे परेशान नहीं करतीं, पिछले कुछ वर्षों में मुझे एहसास हुआ है कि लोगों की याददाश्त केवल चार घंटे तक रहती है। उसके बाद वे समाचार भूल जाएंगे, तो चिंता क्यों करें? अफवाहों के मुताबिक, मेरी बेटी हर तीसरे लड़के को डेट कर रही है और मैं हर साल शादी कर रही हूं।

ट्रोल्स को दिया करारा जवाब

श्वेता तिवारी ने अपनी बात में जोड़ा, इंटरनेट के अनुसार, मैं पहले ही तीन बार शादी कर चुकी हूं। ये चीजें अब मुझे प्रभावित नहीं करतीं, पहले करती थीं जब सोशल मीडिया नहीं था और कुछ पत्रकार फिल्मी हस्तियों के बारे में अच्छा लिखना बिल्कुल पसंद नहीं करते थे। मनोरंजन जगत की हस्तियों के बारे में नकारात्मकता बिकती है। उस युग से निपटने के बाद, इसका मुझ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

बेटी की ट्रोलिंग से होता है दुख

बेटी पलक की ट्रोलिंग पर अपना दुख जाहिर करते हुए श्वेता तिवारी ने कहा, यह मुझे कभी-कभी डराता है। पलक चाहे कैसी भी दिखती हो लेकिन वो बहुत मासूम है। वो लोगों को जवाब देना नहीं जानती है। ट्रोलिंग का ये युग काफी बदसूरत हो गया है। लोगों ने उसे नीचे खींचने की कोशिश की है, लेकिन वह कमेंट्स नहीं पढ़ती है। हालांकि, जब वो ट्रोल होती है तो इसका मुझ पर असर पड़ता है।

श्वेता-पलक का वर्कफंट

श्वेता तिवारी को कसौटी जिंदगी की, परवरिश और बेगुसराय जैसे पॉपुलर टीवी शोज में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। वहीं, पलक की बात करें तो उन्होंने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म में शहनाज गिल, राघव जुयाल, पूजा हेगड़े और सिद्धार्थ निगम भी हैं। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रही। वह अगली बार हॉरर-कॉमेडी द वर्जिन ट्री में दिखाई देंगी। फिल्म में संजय दत्त, मौनी रॉय और सनी सिंह भी हैं और इसके 2025 में रिलीज होने की उम्मीद है।

कल्कि एडी 2898 में कृष्ण के किरदार में नजर आएंगे ये अभिनेता

नाग अश्विन-प्रभास की फिल्म भारतीय ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी फिल्म को फैंस ने बहुत पसंद किया है। इस फिल्म के पहले हिस्से के बाद दूसरे हिस्से में भगवान कृष्ण की छवि के रूप में दिखने वाले सितारों के नाम सामने आए हैं। आइए आपको बताते हैं कल्कि एडी 2989 के दूसरे हिस्से में कौन से सितारे नजर आने वाले हैं। इन सितारों के नाम को लेकर हुई चर्चाखबरों की मानें तो यह भूमिका अभिनेता कृष्ण कुमार बालासुब्रमण्यम द्वारा निभाई गई थी, जो सोरारई पोटरु में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। कृष्ण की भूमिका भूमिका निभाने के लिए संभावित अभिनेताओं के रूप में महेश बाबू और नानी जैसे नाम सामने आए।

नाग अश्विन ने बताया किसे बनाएंगे कृष्ण

नाग अश्विन ने इसको लेकर कहा, मैं कल्कि में भगवान कृष्ण का चेहरा पहले हिस्से में नहीं दिखाना चाहता था। उन्होंने कहा कि मुझे लगता था कि फिल्म काफी अच्छा कलेक्शन कर सकता है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी शानदार प्रदर्शन कर चुकी है। खबरों की मानें तो महेश बाबू ने फिलहाल इस फिल्म के लिए काम करना अभी शुरू नहीं किया है। नाग अश्विन ने कहा, मुझे महेश बाबू काफी पसंद हैं। ये परिस्थिति बहुत अच्छे हैं। मैं उन्हें श्री कृष्ण के रूप में देख भी लिया था। उन्होंने कहा कि कल्कि एडी 2898 में प्रभास, कमल हसन, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण जैसे बड़े सितारों के लिया था।

नोएडा पुलिस ने बढ़ाया मान, तीन थाने हुए ISO सर्टिफाइड

नोएडा (चेतना मंच)। गौमतबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने उत्तर प्रदेश में यूपी पुलिस का मान बढ़ाया है। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने गौतमबुद्धनगर पुलिस की पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह और उनकी टीम को वीडियो संदेश जारी कर बधाई दी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि जन शिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्वक समाधान कर जन सामान्य को सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसी क्रम में गौतमबुद्धनगर के तीन थानों, थाना एक्सप्रेस-वे, थाना बादलपुर तथा थाना नॉलेजपार्क को आधारभूत संरचना (Infrastructure), गुणवत्ता प्रबन्धन (Quality Managment), थाना कार्यालय प्रक्रिया (Office Procedure)को जनमानस और पुलिस सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप मान्य पाये जाने पर ISO 9001: 2015 Quality Management Systems प्रदान किया गया है।

गौमतबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा जनसामान्य को प्रदान की जाने वाली पुलिस सेवाओं, जन शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापरक निवारण तथा प्रशासनिक व्यवस्था के स्तर को उत्कृष्ट बनाने के लिए एक निर्धारित Action Plan (कार्ययोजना) के तहत तीनों थानों के मानकीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया गया। तीनों थानों में स्थित विभिन्न शाखाओं, यथा-थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस, आई0जी0आर0एस0, मालगृह, जी0डी0/ पासपोर्ट/ डाक सेक्शन, आर्म्स एम्युनेशन के रखरखाव, साइबर डेस्क, महिला हेल्प डेस्क, नये कानून के क्रियान्वयन आदि के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार कराईं गईं, प्रोटोकाल निर्धारित करने के साथ-साथ इन थानों में अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रभावी पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था, महिलाओं एवं आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी न्याय दिलाये जाने तथा सिटीजन चार्टर के प्रभावी क्रियान्वयन कराये जाने के लिए सुव्यवस्थित एवं योजनाबद्ध ढंग से ठोस व सार्थक प्रयास प्रारम्भ कराये गये। सार्वजनिक शिकायतों का त्वरित निराकरण उप्र के मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अत: आम जन सेवाओं के साथ-साथ इसका भी उच्च मानकीकरण किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार आई0एस0ओ0 प्रदाता फर्म रॉयल इम्पैक्ट सर्टिफिकेशन लि0 की टीम द्वारा थाना एक्सप्रेस वे, थाना बादलपुर राथा थाना नॉलेज पार्क के अभिलेखों का उपरोक्त बिन्दुओं पर विस्तृत एवं गहन ऑडिट करने के साथ-साथ थाना स्टाफ को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

आईएसओ कमेटी द्वारा विभिन्न बिन्दुओं यथा-आधारभूत संरचना (Infrastructure), गुणवत्ता प्रबन्धन (Quality Managment), थाना कार्यालय प्रक्रिया (Office Procedure) सहित जनमानस को प्रदान की जाने वाली पुलिस सेवाओं, कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, आपातकालीन स्थिति में त्वरित जवाबदेही, नये कानूनों के प्रभावी ढंग से अनुपालन तथा आम जन की समस्याओं के निराकरण हेतु सिटीजन चार्टर के प्रभावी क्रियान्वयन कराये जाने संबंधी समस्त कार्यवाही /प्रक्रियाओं को अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाया गया, जिसके फलस्वरूप थाना एक्सप्रेस वे, थाना बादलपुर तथा थाना नॉलेज पार्क को यह मानकीकरण ISO 9001: 2015 Quality Management Systems प्रदान किया गया है।

पुलिस महानिदेशक ने दी बधाई

गौमतबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने संदेश जारी करे हुए कहा कि गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह व उनकी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई। उत्तर प्रदेश के अन्य जनपद भी गौमतबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट से प्रेरणा लेकर पुलिस व्यवस्था को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुधारें।

नए वर्ष पर नेक पहल, किया रक्तदान

नोएडा (चेतना मंच)। नए वर्ष पर एडवोकेट अनुज सिंह राणा एवं उनके सहयोगियों मनीष राणा, यश राणा, अंकित सिंह राणा, प्रिंस राणा, मोहित भाटी, एवं एम विपिन राणा के संरक्षण में एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया। विशेष रूप से महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने इस शिविर को और अधिक सफल बनाया।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजवादी नेता ओमपाल सिंह राणा प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही, मूलचंद शर्मा, दीपक शर्मा, साहिल राणा (नोनी राणा), हर्ष शर्मा, चेतन राणा, तुषार राणा, सोनू चौहान, कविता राणा, ज्योति चौहान, अवनी राणा, सतीश कुमार, राजीव राणा, टीटू सिंह, और आशीष राणा भी शिविर में शामिल हुए।

प्रशासन का बड़ा एक्शन, 100 करोड़ की जमीन से हटाया अतिक्रमण

ग्रेटर नोएडा प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सिकंदरपुर डूब क्षेत्र में अवैध कब्जों को हटाया। सदर एसडीएम और तहसीलदार के नेतृत्व में पुलिस टीम और जेसीबी की मदद से लगभग 72 बीघा भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया। इस भूमि की कीमत लगभग 100 करोड़ रुपए है। सूत्रों के अनुसार, इस क्षेत्र में अवैध रूप से फार्म हाउस बनाने की कोशिश की जा रही थी, जो डूब क्षेत्र में था। स्थानीय प्रशासन को इस अवैध कब्जे के बारे में जानकारी मिलने के बाद, एसडीएम और तहसीलदार ने त्वरित कार्रवाई की और पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जमीन को कब्जे से मुक्त कराया।

यह मामला सदर तहसील के ईकोटेक फर्स्ट थाना क्षेत्र का है, जहां पर अवैध निर्माण की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। प्रशासन ने इस कार्रवाई को इलाके में नियमों के उल्लंघन और अवैध कब्जे की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है।

ग्रेटर नोएडा प्रशासन की इस कार्रवाई ने यह संदेश दिया है कि प्रशासन अवैध कब्जों और निर्माण के खिलाफ पूरी तरह से सतर्क है और ऐसे किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सेक्टर-15ए पहुंची 'नोएडा आपके द्वार' की टीम

नोएडा (चेतना मंच)। मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा 'नोएडा आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत सेक्टर की समस्याओं के निवारण के दृष्टिकोण से सेक्टर-15ए, आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों के साथ दिनांक 02-01-2025 को बैठक की गई। बैठक के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक (जल-1), परियोजना अधिकारी (जन स्वास्थ्य-1), सहायक निदेशक (उद्यान-1) प्रबंधक (वर्क सर्कल-1 और 3) तथा संबंधित स्टाफ उपस्थित थे। साथ ही, सेक्टर-15ए, आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष, महासचिव, सचिव एवं अन्य पदाधिकारी तथा अन्य सेक्टरवासी भी बैठक के दौरान उपस्थित थे।

आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों द्वारा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर के विकास हेतु 20 मांगें रखीं। अधिकारियों ने सभी के समाधान का आश्वासन दिया।

कचैड़ा में मना जश्न, गांव की बेटी शिवांगी ने रचा इतिहास

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नये साल का जश्न मनाने लोग बाहर जाते हैं। देश, दुनिया की सैर करते हैं। होटल, मॉल, रेस्तरां आदि बुक कर पार्टी करते हैं। लेकिन ग्रेटर नोएडा के गांव कचैडा में ऐसा पहली बार हुआ जब गांव के लोग जश्न मनाने बाहर नहीं गए बल्कि मास्टर धर्मपाल के आवास पहुंचे। जहां नव वर्ष का जश्न मनाया गया। यह जश्न एक ऐसी बेटी की सफलता पर मनाया गया जिसने गौतम बुद्ध नगर जिले में कीर्तिमान स्थापित किया है। गांव की शान बनी यह बेटी है शिवांगी नागर।

वरिष्ठ पत्रकार आकाश नागर ने बधाई देने के बाद मीडिया को बताया कि शिवांगी ने गांव कचैडा का नाम इतिहास में दर्ज करा दिया है। शिवांगी जिले की पहली ऐसी बेटी है जिसे अमेरिका के आस्टिन की ओरेकल कंपनी में 1 करोड़ 80 लाख के पैकेज पर बतौर सॉफ्टवेयर इंजीनियर नौकरी पर नियुक्त किया गया है। ओरेकल कंपनी सॉफ्टवेयर कंपनियों में विश्व की तीसरे नंबर की कंपनी है।

दिल्ली में शिक्षक रहे मास्टर धर्मपाल सिंह की सूपोत्री और एलआईसी के डेवलपमेंट ऑफिसर बिजेंद्र नागर और संगीता नागर की पुत्री शिवांगी नागर के घर इस दिन त्योहार जैसा माहौल था। अपनी बेटी की उपलब्धि से शिवांगी के परिजन फूले नहीं समा रहे हैं। वहीं क्षेत्र के लोग भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। शिवांगी की सफलता से केवल कचैडा ही नहीं बल्कि पूरे ग्रेटर नोएडा वासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। शिवांगी नागर को बचपन से ही अपने घर में शैक्षिक माहौल मिला है। शिवांगी के दादा धर्मपाल सिंह दिल्ली में शिक्षक रहे हैं। वे प्रवक्ता (अर्थशास्त्र) के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। शिवांगी की बुआ आशा देवी और चाची संजना देवी दिल्ली शिक्षा विभाग में लेक्चरर है तो उनकी माता संगीता नागर हिंदी (अर्थशास्त्र) से परास्नातक है। साथ ही उनके चाचा संजीव नागर नेवी से रिटायरमेंट होने के बाद वकालत कर रहे हैं। शिवांगी बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल रही।

शैक्षिक, राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों से जुड़े परिवार में पली बढ़ी शिवांगी ने अपनी प्राथमिक शिक्षा बाल भारती पब्लिक स्कूल गाजियाबाद से पूरी की। इंटर तक दिल्ली में शिक्षा लेने के बाद शिवांगी ने देहरादून (उत्तराखंड) का रुख किया। जहां देश की एकमात्र प्रसिद्ध पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी से उसने बीटेक का कोर्स पूरा किया।

इसके बाद शिवांगी को मुम्बई की सीमेंस इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा सॉफ्टवेयर इंजीनियर का प्लेसमेंट कराया गया।

अपने मिशन एजुकेशन को आगे बढ़ाते हुए शिवांगी सात समुंदर पार अमेरिका पहुंची। जहां बास्टिन में स्थित नार्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी से उसने कंप्यूटर साइंस में एम एस कर सफलता की उड़ान भरी।

शिवांगी की सॉफ्टवेयर डेवलपर की प्रतिभा को पहचान अमेरिका के आस्टिन में स्थित ओरेकल कंपनी ने उसका सलेक्शन किया। गत वर्ष जुलाई माह में शिवांगी को विश्व की प्रतिष्ठित आईटी कंपनी ओरेकल ने 1 करोड़ 80 लाख के सालाना पैकेज पर बतौर सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी पर नियुक्त किया है।

नव वर्ष पर आयोजित शिवांगी के सम्मान समारोह में एक पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें गांव ही नहीं बल्कि क्षेत्र के प्रमुख लोगों ने गांव कचैडा की प्रतिभा को आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की कामना की।

शिवांगी को बधाई देने वालों में लोनी (खेकड़ा) के पूर्व विधायक और वरिष्ठ पत्रकार रूप चौधरी शामिल रहे।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य फकीर चंद नागर, समाजसेवी नेपाल सिंह कसाना, अध्यापक मा. राजपाल कसाना, मनोज प्रमुख, एडवोकेट अनुराग कसाना, वीरेंद्र खारी, डीएवी (दिल्ली) के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष और अध्यापक अशोक नागर, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय चौधरी, जानसिवाना के पूर्व प्रधान नरेंद्र खारी, सतीश नागर, अशोक अवाना, बेदू प्रधान, राजेन्द्र पहलवान, प्रधान सुभाष बैंसला, भाजपा नेता नरेंद्र प्रधान कल्दा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य आनंद नागर, महेंद्र पहलवान, भारतीय किसान यूनियन (अजगर) के युवा जिला अध्यक्ष कुलदीप नागर, भाजपा के गौतम बुद्ध नगर जिला उपाध्यक्ष बबली नागर, दिल्ली पुलिस के दरोगा मस्तराम नागर, अजय पाल नेताजी, गौतम बुद्ध नगर की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जयवती नागर आदि शामिल रहे।

सरकार हमेशा व्यापारियों के साथ खड़ी है : डॉ. महेश शर्मा

धूमधाम से सम्पन्न उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन : विकास जैन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-115 में उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा व जिलाधिकारी मनीष वर्मा के हाथों संपन्न हुआ। डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल काम कर रही है उसका कोई तोड़ नहीं है। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल व्यापार हितों में कार्य कर रही है। सरकार हमेशा व्यापार मंडल के साथ खड़ी है और व्यापारी की हर परेशानी का हल करवाने में अहम भूमिका निभाएगी। सांसद ने कहा बहुत से व्यापार मंडल देखे हैं मगर ऐसा व्यापार मंडल नहीं देखा जो हर समय व्यापारी के सुख-दुख में साथ खड़ा रहता है।

जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल हर संभव मदद के लिए तैयार रहता है। वर्मा ने आगे कहा कि युवा व्यापार मंडल व्यापारी सेवा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों के लिए भी हमेशा अग्रणी रहती है। शासन स्तर पर यदि व्यापार मंडल को कभी भी किसी चीज़ की आवश्यकता हो तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि हम हमेशा आपके साथ रहेंगे।

व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन पर अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि अब हम हर स्तर पर व्यापारी की सेवा करने के लिए तैयार हैं। किसी भी व्यापारी को यदि कभी भी कोई समस्या हो तो वह 24/7 हमसे संपर्क कर सकता है।

प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण गर्ग, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल ने अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया। क्रॉकरी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश जिंदल ने बताया कि आज प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन समारोह पर 1551 कंबल और 3000 लोगों को खाना वितरित भी किया गया। प्रदेश सचिव मनीष शर्मा और शिवा चौहान ने मंच संचालन की ज़िम्मेदारी सँभाली।

उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से नवनीत गुप्ता, चेयरमैन प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, निखिल अग्रवाल, प्रवीण गर्ग, सचिन गोयल, मनीष शर्मा, शिवा चौहान, भारत बंसल, अमित गोयल, कानपुर से कपिल सबरवाल, संजय टंडन, सुधीर गुप्ता, सुभास गर्ग, राजेश जिंदल, एडवोकेट विकल गुप्ता, विनय जैन, अंकुर बंसल, रवि चौहान, रघुनाथ सिंह, सी पी शुक्ला, पंकज अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, अनुज गुप्ता, सचिन चतुर्वेदी समेत कई व्यापारी, समाजसेवी तथा राजनीतिक दलों के नेता व गणमान्य लोग मौजूद थे।